News सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-347
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

व्यक्ति अपने विचारों से निर्मित प्राणी है, वह जो सोचता है वही बन जाता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 25 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजने की सिफारिश केंद्र को भेजी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट में वापस भेजने की सिफारिश की है। यह सिफारिश सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक 20 और 24 मार्च 2025 को आयोजित बैठकों में की गई है। जस्टिस यशवंत वर्मा का तबादला ऐसे समय में हुआ है जब उनके सरकारी बंगले में आग लगने के बाद वहां से भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई थी। 20 मार्च को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस वर्मा को वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजने का प्रस्ताव किया था। 24 मार्च को इसकी सिफारिश केंद्र को भेजी गई है। अब केंद्र सरकार को इस सिफारिश पर फैसला लेना है। इससे पहले, इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने जस्टिस वर्मा के तबादले का विरोध किया था। इसने कहा था कि हम कूड़ेदान नहीं हैं। दरअसल, जस्टिस यशवंत वर्मा के दिल्ली स्थित आवास में जलते हुए नोटों का ढेर मिला था। यह घटना तब सामने आई जब उनके नौकर ने आग लगे हुए नोटों को देखा और स्थानीय पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने इसका वीडियो बना लिया था, जो अब सार्वजनिक कर दिया गया है।

न्यायिक कार्य तत्काल प्रभाव से वापस लिया जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से भारी मात्रा में कैश बरामद होने पर उठे विवाद के बीच दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि हाल की घटनाओं को देखते हुए जस्टिस यशवंत वर्मा से न्यायिक कार्य तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा सोमवार को जारी एक परिपत्र में कहा गया कि हाल की घटनाओं के मद्देनजर, माननीय श्री यशवंत वर्मा से न्यायिक कार्य अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया गया है। यह निर्णय शनिवार को सीजेआई संजीव खन्ना द्वारा न्यायमूर्ति वर्मा को फिलहाल कोई न्यायिक कार्य न सौंपे जाने की सिफारिश के बाद लिया गया है। सीजेआई संजीव खन्ना ने जस्टिस वर्मा के आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलने की कथित घटना से उपजे आरोपों की जांच के लिए शनिवार को तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया था। इन-हाउस कमेटी में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जीएस संधावालिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति अनु शिवरामन शामिल हैं।

हम तो बैंक से ही सारे ट्रांजेक्शन करते हैं, पूरा रिकॉर्ड है जस्टिस वर्मा ने साफ कहा है कि मैंने या फिर मेरे परिवार के किसी भी सदस्य ने स्टोर रूम में कोई कैश नहीं रखा था। हम जो भी कैश निकालते हैं, उसकी पूरी डिटेल है। हम बैंक से ही ऐसा करते हैं या फिर यूपीआई का इस्तेमाल होता है। कार्ड भी यूज करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं फिर से दोहरा रहा हूं कि मुझे या परिवार के किसी सदस्य को उस कमरे से कोई कैश नहीं मिला, जहां का दावा हो रहा है। उन्होंने अपने बचाव में फायर सर्विस के चीफ का बयान ही दोहराया है कि मौके से कोई कैश नहीं मिला था। उनका तीसरा दावा है कि जिस कमरे में कैश मिलने की बात कही जा रही है, वह उनके घर के मुख्य परिसर का हिस्सा नहीं है बल्कि बाहर स्थित है। उन्होंने कहा कि इस रूम का इस्तेमाल तो स्टोररूम के तौर पर होता था और अकसर खुला ही रहता था।

कुनो से बाहर निकले पांच चीते, गाय पर किया हमला तो ग्रामीणों ने बरसाई लाठियां

श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। मादा चीता ज्वाला और उसके चार शावक पार्क से बाहर निकल आए। इस पर ग्रामीणों ने इन पांच चीतों पर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया। चीतों ने एक गाय पर हमला कर दिया था, जिसके बाद लोग गुस्से में आ गए। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। मौके पर मौजूद वन विभाग की रेस्क्यू टीम ग्रामीणों से चीतों से दूर रहने के लिए कहती रही, लेकिन गांव के लोग नहीं माने। यह घटना सोमवार को हुई है। चीतों के बाहर निकलने पर क्षेत्र के चीता मित्र और उनकी टीम ने आसपास के लोगों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि चीते लोगों पर हमला नहीं करते हैं। उन्होंने लोगों से चीतों की सुरक्षा का ध्यान रखने की अपील की। बताया जाता है कि एक महीने पहले खुले जंगल में छोड़ी गई मादा चीता ज्वाला और उसके 4 शावक शनिवार शाम को पहली बार पार्क की सीमा से बाहर आ गए थे। चीते रविवार को दोपहर बाद फिर कूनो के जंगल की ओर लौट गए थे। रविवार रात को ये चीते वीरपुर तहसील के ग्राम श्यामपुर के पास देखे गए। चीते निर्माणाधीन श्योपुर-ग्वालियर ब्रॉडगेज रेल ट्रैक से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर थे।

गाय पर झपट्टा मारा सोमवार सुबह ये पांचों चीते कूनो सायफन के पास से होते हुए कूनो नदी पहुंचे। तीनों निर्माणाधीन रेलवे पुल के नीचे काफी देर तक बैठे रहे। इस दौरान कूनो सायफन से गुजरने वाले राहगीरों की भीड़ चीतों को देखने के लिए जमा हो गई। मादा चीता और शावक एक-एक कर रास्ता पार कर रहे थे, तभी उन्होंने गाय पर झपट्टा मारा। मादा चीता और शावकों को भगाने के लिए ग्रामीण लाठी लेकर दौड़े और पत्थर मारना शुरू कर दिए। चीता ज्वाला काफी देर तक गाय का गला पकड़े रही। जैसे ही उसे पत्थर लगा उसने गाय को छोड़ दिया और शावकों के साथ भाग निकली। घटना के बाद करीब 10 बजे चीता दल, कूनो पुल क्षेत्र से निकलकर वीरपुर के तिललिडेरा क्षेत्र पहुंचा।

रेल ट्रैक के पास लगी लोगों की भीड़ घटना के बाद, सुबह लगभग 10 बजे, चीतों का दल कूनो पुल क्षेत्र से निकल वीरपुर के तिललिडेरा क्षेत्र में पहुंच गया। निर्माणाधीन श्योपुर-ग्वालियर ब्रॉडगेज रेल ट्रैक के पास चीतों को देखने के लिए भीड़ जमा हो गई।

निगरानी बनाए हुए हैं टीमें कूनो नेशनल पार्क के डीएफओ आर थिरुकुराल ने बताया कि हम चीतों की लोकेशन शेयर नहीं कर सकते हैं। चीते जहां भी हैं, हमारी ट्रैकिंग टीमें उन पर निगरानी बनाए हुए हैं। सभी चीता पूरी तरह फिट हैं और स्वछंद विचरण कर रहे हैं। चीता परिवार के इलाके में घूमने के दौरान कुछ लोगों ने मादा चीता और उसके शावक की तस्वीरें भी मोबाइल में कैद कर ली। कूनो के जंगल से निकलकर सीमा के आबादी वाले इलाके में पहुंचा चीता परिवार पूरी मस्ती में घूम रहा है। हालांकि चीता मॉनिटरिंग टीम भी सक्रीय हो गई है। ताकि मादा चीता ज्वाला और उसके शावकों को किसी प्रकार का खतरा ना हो सके, साथ ही लोगों की भी सुरक्षा बनी रहे।

21 फरवरी को जंगल में छोड़ा गया था ज्वाला और उसके शावकों को 21 फरवरी को खजूरी क्षेत्र के जंगल में छोड़ा गया था। एक महीने तक वे पार्क की सीमा में ही रहे। चीतों के बाहर निकलने पर क्षेत्र के चीता मित्र और उनकी टीम ने आसपास के लोगों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि चीते लोगों पर हमला नहीं करते हैं। उन्होंने लोगों से चीतों को नहीं भगाने और उनकी सुरक्षा का ध्यान रखने की अपील की। चीतों के बाहर निकलने पर, क्षेत्र के चीता मित्रों और उनकी टीम ने आसपास के लोगों को जागरूक किया। उन्होंने लोगों को बताया कि चीते लोगों पर हमला नहीं करते हैं। उन्होंने लोगों से चीतों को न भगाने और उनकी सुरक्षा का ध्यान रखने की अपील की। बीते दो दिन से चीतों का समूह इस इलाके में डेरा डाले हुए है।

हाईकोर्ट ने नागपुर हिंसा के आरोपियों के घरों को गिराने पर लगाई रोक

नागपुर। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने नागपुर हिंसा मामले में दो आरोपियों के घरों को गिराने की प्रशासनिक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। अदालत ने इस मामले में प्रशासन के रवैये को मनमाना और दमनकारी बताते हुए कड़ी फटकार भी लगाई। बता दें कि, नागपुर में हुई हिंसा के बाद स्थानीय प्रशासन ने आरोपियों के घरों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की थी, जिसे लेकर अदालत में चुनौती दी गई थी। इस मामले की अगली सुनवाई जल्द होने की संभावना है। हालांकि, कोर्ट का आदेश आने से पहले ही फहीम खान के दो मंजिला घर को तोड़ा जा चुका था। वहीं, कोर्ट के आदेश के बाद यूसुफ शेख के घर के अवैध हिस्से को तोड़ने की कार्रवाई रोक दी गई। वहीं फहीम खान और यूसुफ शेख ने अपने घरों की तोड़फोड़ के खिलाफ हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। इस पर जस्टिस नितिन साम्ब्रे और वृषाली जोशी की बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने सवाल किया कि बिना सुनवाई के घरों को कैसे तोड़ा गया? फहीम खान के वकील अश्विन इंगोले ने बताया कि कोर्ट ने सरकार और नगर निगम से जवाब मांगा है और अगली सुनवाई 15 अप्रैल को होगी। अगर तोड़फोड़ अवैध पाई गई, तो नुकसान की भरपाई प्रशासन को करनी होगी।

पीएनबी घोटाले में सीबीआई की पूरक चार्जशीट, नीरव मोदी की बहन भी आरोपी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले में एक पूरक चार्जशीट दाखिल की है। जिसमें मुख्य आरोपी नीरव मोदी की बहन पूर्वी मेहता को आरोपी बनाया गया है। सीबीआई ने यह चार्जशीट विशेष सीबीआई अदालत में विशेष लोक अभियोजक ए. लिमोसिन के माध्यम से दाखिल की। चार्जशीट में पूर्वी मेहता के अलावा फायरस्टार ग्रुप ऑफ कंपनियों के अधिकारी आदित्य नानावटी को भी आरोपी बनाया गया है। बेल्जियम की नागरिक पूर्वी मेहता पर आरोप है कि उन्होंने पीएनबी से जारी किए गए लेटर्स ऑफ अंडरटेकिंग के जरिए प्राप्त फंड का लाभ उठाया।हालांकि, सीबीआई ने उनके पति मयंक मेहता(ब्रिटेन के नागरिक) को इस मामले में आरोपी नहीं बनाया।इससे पहले, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्वी और मयंक मेहता को आरोपी बनाया गया था। लेकिन अब दोनों इस केस में सरकारी गवाह बन चुके हैं। नीरव मोदी और उनके मामा मेहुल चोकसी इस घोटाले के मुख्य आरोपी हैं। इन पर पीएनबी बैंक की मुंबई स्थित ब्रैडी हाउस शाखा के अधिकारियों को रिश्वत देकर 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी करने का आरोप है।

सांसदों के वेतन में 24 परसेंट का इजाफा, पेंशन-भत्ता भी बढ़ा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को सांसदों के वेतन में इजाफे का ऐलान किया। 1 अप्रैल 2023 से सांसदों को एक लाख की जगह 1.24 लाख रुपए वेतन के तौर पर मिलेंगे। सरकार की ओर से सांसदों की पेंशन और भत्ते में भी इजाफा किया गया है। सांसदों के दैनिक भत्ते में 500 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। दैनिक भत्ता अब 2000 रुपए से बढ़कर 2500 रुपए हो गया है। यह परिवर्तन संसद सदस्यों के वेतन, भत्ते और पेंशन अधिनियम, 1954 की प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में किया गया है और यह आयकर अधिनियम, 1961 में उल्लिखित लागत मुद्रास्फीति सूचकांक पर आधारित है। 5 साल बाद सांसदों का वेतन बढ़ाने का फैसला लिया गया है। हालांकि, यह वेतन बढ़ोतरी 1 अप्रैल 2023 से ही लागू होगी। इस फैसले से पहले सांसदों की पेंशन 25000 रुपये थी, उसे अब 31 हजार कर दिया गया है। इसी तरह से जो दो बार या तीन बार के सांसद रहे हैं, उनकी अतिरिक्त पेंशन 2000 रुपये से बढ़ाकर 2500 रुपये कर दी गई है। संसद के चालू बजट सत्र के दौरान सांसदों के वेतन, भत्ते और पेंशन में संशोधन की घोषणा की गई है। मौजूदा और पूर्व सांसदों को दिए जाने वाले वेतन और भत्ते में इससे पहले अप्रैल 2018 में संशोधन की घोषणा की गई थी। 2018 में संशोधन में घोषित सांसदों के लिए आधार वेतन 1,00,000 रुपये प्रति माह था। 2018 के संशोधन के मुताबिक, सांसदों को अपने ऑफिस को अप टू डेट रखने और अपने जिलों में मतदाताओं से बातचीत करने के लिए निर्वाचन क्षेत्र भत्ते के रूप में 70,000 रुपये का भत्ता मिलता है। इसके अलावा, उन्हें कार्यालय भत्ते के रूप में हर महीने 60,000 रुपये और संसदीय सत्रों के दौरान 2,000 रुपये दैनिक भत्ते के रूप में मिलते हैं। इन भत्तों में भी अब बढ़ोतरी की जाएगी।

चर्चित और जघन्य अपराध... न्यायालय ने पांच माह 12 दिन में सुनाया फैसला

जामगेट क्षेत्र में लूट और दुष्कर्म के पांच दोषियों को उम्रकैद

महू। इंदौर के पास महू के जामगेट क्षेत्र में सेना के ट्रेनी अफसरों के साथ लूट, मारपीट और उनकी महिला मित्र के सामूहिक दुष्कर्म के पांच दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। वहीं, एक नाबालिग आरोपी का प्रकरण बाल न्यायालय में चल रहा है। चर्चित और जघन्य अपराध के चलते न्यायालय ने इसका फैसला पांच माह 12 दिन में सुनाया। साथ ही पीड़िता को 50 हजार रुपए प्रतिकर देने के भी आदेश दिए हैं। दरअसल, 10-11 सितंबर 2024 की दरमियानी रात करीब दो से तीन बजे के बीच महू इन्फेंट्री स्कूल के ट्रेनी अफसर प्रणीत, कौशल सिंह पाल महिला मित्र और एक युवती के साथ जाम गेट के पहले सेना की फायरिंग रेंज में घूमने गए थे। तभी वहां पर छह बदमाश 27 वर्षीय अनिल बारोर, 23 वर्षीय पवन बंसूनिया निवासी खुर्दा-खुर्दी, 25 वर्षीय रितेश भाभर निवासी बिलामी, 23 वर्षीय रोहित गिरवाल निवासी नंदगांव, 25 वर्षीय सचिन मकवाना निवासी चैनपुर और एक नाबालिग पहुंच गए। आरोपियों ने उनपर हमला कर दिया और लाठी-डंडे से मारपीट की। उनसे करीब आठ हजार रुपये, पर्स और मोबाइल छीन लिए। इसके बाद पिस्टल अड़ाकर 10 लाख रुपये की मांग की। नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। 10 लाख रुपये लेने के लिए प्रणीत और महिला को भेजा, जबकि पीड़िता और कौशल सिंह वहीं पर थे। आरोपी रितेश और अनिल पीड़िता को पास की पहाड़ी पर लेकर गए और सामूहिक दुष्कर्म किया। बाकी चार आरोपियों ने कौशल सिंह को पकड़ रखा था और उसके साथ मारपीट कर रहे थे। सूचना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की।

पीड़िता को 50 हजार रुपए प्रतिकर इस मामले में 24 मार्च को चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश रविशंकर दोहरे ने निर्णय सुनाया। न्यायालय ने पांच दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही पीड़िता को 50 हजार रुपए प्रतिकर और आहतों को 10-10 हजार रुपए प्रतिकर के भी आदेश दिए हैं। प्रकरण की विवेचना बड़गोंदा थाना प्रभारी निरीक्षक लोकेंद्र सिंह हिहोर ने की। शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक संध्या उइके ने की। पुलिस ने एक महीने के भीतर ही 12 अक्टूबर को जांच कर कोर्ट में चालान पेश किया। 26 अक्टूबर से अभियोजन पक्ष ने सबूत पेश करने शुरू किए। करीब छह महीने तक चली सुनवाई के बाद चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश रविशंकर दोहरे ने पांच आरोपियों को सजा सुनाई।

इन आरोपियों को मिली सजा

-मुख्य आरोपी अनिल बारोर- इसी ने ट्रेनी अधिकारियों को देखा और लूट के इरादे से फोन कर बाकी पांच साथियों को बुलाया। आदतन अपराधी है, पहले भी अपराध कर चुका है। शराब दुकान पर काम करता था।

-रीतेश भाभर- अनिल का मुख्य सहयोगी, पहले भी सात अपराध दर्ज है। कट्टा दिखाकर धमकाया था। युवती के साथ गैंगरेप में शामिल रहा।

-पवन बंसुनिया- घटना में साथ दिया।

-रोहित गीरवाल- घटना में साथ दिया

-सचिन मकवाना- यह भी घटना में साथी।

ऐसे पकड़े गए थे मारपीट और गैंगरेप के आरोपी पुलिस की चार्जशीट के मुताबिक आरोपियों की पहचान करने की चुनौती थी। जामगेट पर न तो कोई सीसीटीवी लगे थे और न ही रात के वक्त किसी ने भी वारदात होते नहीं देखी थी। ऐसे में पुलिस ने बड़गोंदा थाने में पिछले 10 सालों में पदस्थ टीआई से हिस्ट्री शीटर्स की फोटो मंगाई।

राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता के मुद्दे पर फैसला केंद्रीय गृह मंत्रालय करेगा

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता के मुद्दे पर फैसला करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को चार सप्ताह का समय दिया है। मंत्रालय ने इस मामले में आठ हफ्ते की मोहलत मांगी थी, जिसे कोर्ट ने ठुकरा दिया और कहा कि चार सप्ताह के अंदर इस पर फैसला करें। आरोप है कि राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की भी नागरिकता है और यह सवाल पिछले कई वर्षों से चर्चा में है। इसी मुद्दे पर एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिस पर हाई कोर्ट में सुनवाई हो रही है। अब हाई कोर्ट ने पिछली सुनवाई यानी 19 दिसंबर को केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि वह कार्रवाई का ब्यौरा 24 मार्च को कोर्ट में पेश करे लेकिन केंद्र सरकार ऐसा नहीं कर सकी। कर्नाटक के सामाजिक कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने ये जनहित याचिका दायर की है। इसके अनुसार राहुल गांधी भारत के साथ-साथ ब्रिटेन के भी नागरिक हैं, जो संविधान के अनुच्छेद 84(ए) के तहत चुनाव लड़ने की योग्यता का उल्लंघन है। अगर यह साबित हो जाता है तो राहुल गांधी की सांसदी छिन सकती है।बता दें कि पिछले साल 1 जुलाई 2024 को भाजपा नेता और वकील एस विग्नेश शिशिर ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि राहुल गांधी के पास ब्रिटिश नागरिकता भी है। याचिकाकर्ता ने ब्रिटिश सरकार के 2022 के गोपनीय मेल का हवाला देते हुए यह आरोप लगाया था। याचिका में उन्होंने भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 9(2) के तहत राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता रद्द करने की भी मांग की है।

याचिका में कहा गया है कि उन्होंने अपनी ब्रिटिश नागरिकता छुपाकर रायबरेली से चुनाव लड़ा है, इसलिए उनका चुनाव भी रद्द किया जाए। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा है कि उसने इस मामले को कई सक्षम अधिकारियों के सामने उठाया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई, इसलिए जनहित याचिका का सहारा लेना पड़ा।

सिटी चीफ

भावना पर गोली चलाने वाले आरोपी अब तक गिरफ्त से दूर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के एक फ्लैट में ग्वालियर की युवती भावना सिंह पर गोली चलाने वाले आरोपी अभी भी पुलिस गिरफ्त से दूर हैं। पुलिस को यह पता चला है कि वे इंदौर के निपानिया क्षेत्र में गाड़ी छोड़कर बस या अन्य वाहन से भोपाल की तरफ भागे है।तीनों ने अपने मोबाइल भी बंद कर रखे है। पुलिस का एक दल उनकी खोज में ग्वालियर और दतिया गया है। आरोपी उसी क्षेत्र में रहने वाले है। पुलिस ने उसके परिजनों से भी पूछताछ की है।भावना सिंह की मौत इलाज के दौरान तीन दिन पहले इंदौर के बांबे अस्पताल में हुई थी। उसकी आंख में

गोली लगी थी, जो सिर में धंस गई थी। वह महालक्ष्मी नगर के एक फ्लैट में पार्टी में गई हुई थी। जिसमें जिम ट्रेनर आशु यादव, स्वस्ति और एक अन्य युवक भी मौजूद थे। गोली लगने के बाद तीनों उसे अस्पताल लाए थे और भाग गए थे। गंभीर हालत होने के कारण पुलिस भावना के बयान भी नहीं ले पाई थी। पुलिस को अब तक यह पता नहीं चला कि गोली भावना के हाथ से चली या फिर उसके किसी दोस्त ने चलाई। अस्पताल में भावना को छोड़ने के बाद आरोपी कार से बाइपास तक गए थे। फिर उन्हें पता चला कि कार में जीपीआरएस लगा हुआ है। इससे उनकी लोकेशन ट्रेस हो जाएगी। इसके बाद वे फिर लौटे और निपानिया क्षेत्र में कार खड़ी कर दी। फिर दोपहिया से वे भोपाल की तरफ भागे। पुलिस ने भावना के मुंह बोले भाई पंकज ठाकुर के बयान पुलिस ने दर्ज किए है।

पुलिस की कई टीमें तलाश में जुटी

डीसीपी जोन-2 अभिनय विश्वकर्मा ने बताया कि आरोपियों को ट्रेस करते हुए पुलिस को जानकारी मिली है कि वे बस पकड़कर भोपाल भाग गए हैं।

पुलिस की कई टीमें लगातार उनकी तलाश में जुटी हुई हैं और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी। अब तक वीडियो फुटेज के आधार पर तीन आरोपियों की पहचान हुई है। पुलिस को यह भी पता चला है कि जिस गाड़ी का उन्होंने इस्तेमाल किया था, उसे एक जगह डंप कर दिया गया था। डीसीपी ने बताया कि इस मामले में किस-किस की क्या भूमिका है, यह गिरफ्तारी के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल, पुलिस हर पहलू की गहराई से जांच कर रही है। सभी सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है और आरोपियों की संलिप्तता की पुष्टि की जा रही है। जिनकी भी भूमिका संदिग्ध पाई जाएगी, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लुकआउट सर्कुलर जारी कर रहे

डीसीपी विश्वकर्मा ने कहा कि ऐसा अंदेशा है कि आरोपी विदेश भागने का प्रयास कर सकते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया जा रहा है.

ताकि यदि वे किसी भी इंटरनेशनल बॉर्डर को पार करने का प्रयास करें तो पुलिस को तुरंत सूचना मिल सके।

मुख्यमंत्री मोहन यादव बोले- मध्य प्रदेश खेलों की राजधानी बन रहा है

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। रेवती रेंज में 18 वीं अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी स्पर्धा की शुरुआत मुख्यमंत्री मोहन यादव ने की। सोमवार शाम छह बजे वे बीएसएफ परिसर पहुंचे। उसके परेड की सलामी ली। विभिन्न राज्यों से आए पुलिस विभाग के निशानेबाजों से मुख्यमंत्री मिले और उसने परिचय लिया।इस मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि अलग-अलग कालों में निशानेबजी की गौरवशाली परंपरा रही है। अब कहावत बदली है। खेल कूद कर अब नवाब बनने का समय आ गया है। हमारे बच्चे राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में पुरस्कार ला रहे है। मध्य प्रदेश आर्थिक रुप से मजबूत हो रहा है।नए उद्योग खुल रहे है। खेल के क्षेत्र में भी आगे है। हमारे खिलाड़ी उत्तराखंड में 48 वें नेशनल गेम में 82 मेडल लेकर आए है। यह मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी छलांग है। मध्य प्रदेश ने खेल के मामले में राज्यों की श्रेणी में तीसरा स्थान बनाया। नेशनल गेम ने अलग पहचान मध्य प्रदेश बना है। मध्य प्रदेश अब खेलों की राजधानी बन रहा है । हमने कोर्स में भी बदलाव किए है। खेल भी एक विषय रखा है। खिलाड़ियों के साथ हम प्रशिक्षकों को भी ट्रेनिंग दे रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर और मालवा की धरती पर कई महापुरुष जन्मे हैं। राजा भोज,देवी अहिल्या, विक्रमादित्य ने इस धरती को अपने पराक्रम से सिंचित किया। इंदौर की स्वच्छता, अतिथि संस्कार और खान पान में अलग पहचान है। यहां आए खिलाड़ी स्पर्धा में भाग लें और 56 दुकान और सराफा में भी जाए। वहां एक अलग अहसास होगा।

निशानेबाज खोज कार्यक्रम चलाया जाएगा

सीएम ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल और जिला प्रशासन के माध्यम से निशानेबाज खोज कार्यक्रम चलाया जाएगा। चयनित निशानेबाजों को उचित प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे नए खिलाड़ियों को अवसर मिलेंगे। मध्य प्रदेश की धरती से कई अर्जुन अवार्डी खिलाड़ी निकले है। कार्यक्रम में बीएसएफ अकादमी के अपर महानिदेशक शमशेर सिंह ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, मेयर पुष्य मित्र भार्गव, संभागायुक्त दीपक सिंह मौजूद थे।

खेलोगे-कूदोगे तो बनोगे नवाब

सीएम ने कहा कि अब जमाना खेलोगे-कूदोगे तो बनोगे नवाब का है। जब हमारे खिलाड़ी काफी मुश्किलों से पुरस्कार जीत कर आते हैं तो पूरा देश झूम उठता है।सीएम ने कहा कि प्रदेश अब आर्थिक, औद्योगिक क्षेत्र के साथ ही खेलों के क्षेत्र में भी काफी आगे बढ़ रहा है। हाल ही में आयोजित नेशनल गेम में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने 42 मेडल जीते हैं। राज्यों की श्रेणी में मध्यप्रदेश को तीसरा स्थान मिला है। अब खेलकूद की राजधानी भी बन रहा है मध्यप्रदेश।

अब खेल भी एक सब्जेक्ट है

सीएम ने कहा कि खेलों के लिए कोर्स का डिजाइन भी बदला गया है। अब खेल भी एक सब्जेक्ट है। सरकार ने तय किया है कि खिलाड़ियों के साथ ही प्रशिक्षकों को भी आगे बढ़ाया जाएगा। उन्हें वाइस चांसलर के पद तक पदोन्नत किया जाएगा। सीमा सुरक्षा बल और इंदौर जिला प्रशासन मालवा क्षेत्र में निशानेबाजों की खोज करे। ऐसे निशानेबाजों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। मालवा क्षेत्र से कई अंतर्राष्ट्रीय और अर्जुन अवार्डी खिलाड़ी भी निकले हैं। इस सिलसिले को बनाए रखना है। सीएम ने कहा निशानेबाजी का महत्व हर युग में रहा है। प्रधानमंत्री मोदी भी स्कूल व कॉलेज के जमाने में एनसीसी से जुड़कर निशानेबाजी में भाग लेते थे।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमें

18वीं अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी (खेल) चैम्पियनशिप-2024 में असम पुलिस, हरियाणा पुलिस, केरला पुलिस, राजस्थान पुलिस, छत्तीसगढ़ पुलिस, तमिलनाडु पुलिस, पंजाब पुलिस, तेलंगाना पुलिस, आरपीएफ, आईटीबीपी, सीआरपीएफ, बीएसएफ, असर राइफल्स, सीआईएसएफ, एसएसबी, दिल्ली पुलिस, जम्मू कश्मीर पुलिस, हिमाचल पुलिस, उत्तराखंड पुलिस, उत्तरप्रदेश पुलिस, गुजरात पुलिस, महाराष्ट्र पुलिस, मणिपुर पुलिस, कर्नाटक पुलिस, पश्चिम बंगाल पुलिस, मेघालय पुलिस, मध्यप्रदेश पुलिस के कार्मिक भाग ले रहे हैं।

छह दिन तक चलेगा यह मेगा इवेंट

बीएसएफ के केंद्रीय आयुध और युद्ध कौशल विद्यालय (सीएसडब्ल्युटी) द्वारा आयोजित यह 18वीं अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी प्रतियोगिता 24 से 29 मार्च तक आयोजित की जाएगी। इस दौरान देशभर से आए पुलिस संगठनों के पुरुष और महिला निशानेबाज अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता में कुल 17 स्पधाएं होंगी, जो रेवती रेंज में आयोजित की जाएंगी। यह आयोजन न केवल प्रतियोगियों के लिए एक चुनौती होगा बल्कि पुलिस बलों के बीच एकता और खेल भावना को भी बढ़ावा देगा।

'32 सौ लोकेशन पर कीमतें बढ़ेगी

इंदौर में प्रॉपर्टी गाइड लाइन पर डेढ़ सौ से ज्यादा आपत्तियाँ

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में संपत्तियों के पंजीयन की कलेक्टर की गाइडलाइन लगभग तैयार हो चुकी है। इस पर पंजीयन विभाग ने दावे-आपत्तियों को मंगाया था। 150 से अधिक आपत्तियां आई हैं। इनका निराकरण किया जा रहा है। इसके बाद गाइडलाइन का प्रारूप राज्य सरकार को भेजा जाएगा। 1 अप्रैल से नई कलेक्टर गाइड लाइन तैयार हो जाएगी। इंदौर में 3200 लोकेशनों पर गाइडलाइन बढ़ाई जा रही है, जबकि 240 नई कॉलोनियों को गाइडलाइन के दायरे में लिया गया है। इस बदलाव से प्रॉपर्टी के कीमतों में भी वृद्धि होगी। सालभर में हुए सौदों के आधार पर गाइडलाइन में बदलाव किया गया है। इंदौर में सबसे ज्यादा तेजी खंडवा रोड़ और उज्जैन रोड़ पर देखने को मिली है। खंडवा रोड पर फोरलेन निर्माण हो रहा है, जबकि इंदौर उज्जैन रोड पर छह लेन बन रहा है। इंदौर में बड़े ग्रुप भी रियल इस्टेट सेक्टर में आ चुके है। 32 लोकेशनों के ज्यादातर इलाके शहरी सीमा से सटे हैं। इनमे

बाइपास, सुपर कॉरिडोर, गांधी नगर जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

ग्रीन बेल्ट की जमीन की गाइडलाइन का अलग से निर्धारण पंजीयन विभाग के पास अलग-अलग तरह की आपत्तियां आई हैं। कुछ आपत्तियां ग्रीन बेल्ट को लेकर भी हैं। इसमें कहा गया है कि ग्रीन बेल्ट की जमीनों के ज्यादा सौदे नहीं होते हैं। इसकी गाइडलाइन का निर्धारण अलग से किया जाना चाहिए। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में जमीन की खरीदी बिक्री में छूट को बहाल करने की मांग भी की गई है। मास्टर प्लान में 89 गांवों को जोड़ा गया है। वहां भी प्रॉपर्टी गाइडलाइन में बदलाव हुए हैं।

30 से 40 फीसदी बढ़ोतरी

इंदौर में कुछ लोकेशनों पर 30 से लेकर 40 प्रतिशत तक गाइड लाइन बढ़ाई गई है। इंदौर एक में 531, इंदौर दो में 596, इंदौर तीन में 658, इंदौर चार में 425, महू में 429, सांवेर में 348, देपालपुर में 329 लोकेशनो पर गाइडलाइन बदली है। अब समिति के इस प्रस्ताव को प्रदेश सरकार को भेजा जाएगा। मंजूरी मिलते ही एक अप्रैल से नई गाइडलाइन के हिसाब से पंजीयन विभाग में रजिस्ट्रियां होंगी।

लसूडिया क्षेत्र में निमार्णाधीन मकान से गिरकर कारीगर की मौत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के लसूडिया क्षेत्र में एक निमार्णाधीन मकान की चौथी मंजिल से गिरने के कारण एक कारीगर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कारीगर पानी चढ़ाने के लिए टंकी पर गया था, तभी उसका पैर फिसल गया और वह नीचे गिर गया। हादसे के बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए उसे एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। यह घटना रविवार शाम करीब 6 बजे हुई, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।लसूडिया पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान राधू (31) पुत्र मौजीराम बंजारा के रूप में हुई है। राधू राहुल गांधी नगर का निवासी था और वह एक निर्माण कार्य में ठेकेदारी का काम कर रहा था। रविवार को वह स्कीम नंबर 136 में बन रहे एक मकान की चौथी मंजिल पर पानी की टंकी पर चढ़ने के लिए गया

था। अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गया। गिरने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

राधू अपने भाई राधेश्याम के साथ मिलकर ठेकेदारी का काम कर रहा था। जिस मकान में यह हादसा हुआ, वह कबीर नामक व्यक्ति का था, और राधू और उसके भाइयों ने इस मकान का ठेका लिया था। राधू के परिवार में एक बेटा और दो बेटियां हैं। परिवार मूल रूप से खरगोन का निवासी है और इंदौर में मकान निर्माण से जुड़ा हुआ था। राधू तीन भाइयों में सबसे छोटा था और उसकी असामयिक मौत से पूरा परिवार गहरे सदमे में है।

पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हादसे के समय सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं। फिलहाल, इस दुर्घटना के कारणों को लेकर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस हादसे के बाद राधू के परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है, और सभी उसकी अचानक मृत्यु को लेकर बहुत दुखी हैं।

इंदौर-दाहोद रेल प्रोजेक्ट से 55 किमी घटेगी मुंबई की दूरी

इंदौर। करीब 2 हजार करोड़ रुपये के इंदौर-दाहोद रेल लाइन प्रोजेक्ट के कारण इंदौर से मुंबई की दूरी लगभग 55 किमी कम हो जाएगी। यह प्रोजेक्ट तेजी से चल रहा है और इसके पूरा होने से यात्रियों को महाराष्ट्र और गुजरात जाने के लिए नया रूट मिलेगा। इस रेल लाइन के बनने से न सिर्फ आम लोगों को बल्कि औद्योगिक क्षेत्र को भी बड़ी सुविधा होगी। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि इससे इंदौर से मुंबई और गुजरात जाने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी, साथ ही समय की भी बचत होगी।इस प्रोजेक्ट से इंदौर से मुंबई जाने वाले यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी। वर्तमान में इंदौर से मुंबई के लिए यात्रा करने पर लगभग 830 किमी का सफर तय करना पड़ता है, जो उज्जैन और रतलाम के रास्ते से होता है। हालांकि, इंदौर-दाहोद रेल लाइन के पूरी होने के बाद यह दूरी घटकर लगभग 775 किमी रह जाएगी, जिससे मुंबई तक का सफर 55 किमी कम हो जाएगा। इससे न केवल यात्रा का समय घटेगा, बल्कि यात्रियों को भी समय की बचत होगी, जो इंदौर के लिए एक महत्वपूर्ण विकास होगा। इंदौर-दाहोद रेल प्रोजेक्ट के तहत कुल 205 किमी लंबी रेल लाइन बिछाई जा रही है। इस प्रोजेक्ट को कई हिस्सों में बांटकर पूरा किया जा रहा है। रतलाम मंडल ने मई 2025 तक इंदौर से नौगांव तक ट्रेन चलाने का लक्ष्य रखा है। इस प्रोजेक्ट में इंदौर से टीही तक का काम पहले ही पूरा हो चुका है और कंटेनर ट्रेनें भी चलाई जा रही हैं। छोटा उदयपुर से धार के बीच का काम भी तेजी से चल रहा है और इसका पूरा होना भी करीब है। इंदौर-दाहोद रेल लाइन प्रोजेक्ट की लागत शुरू में 678.54 करोड़ रुपये थी, जो 2007 में स्वीकृत हुई थी। हालांकि, 2020 में काम बंद होने के बाद 2022 में फिर से इसे शुरू किया गया और इसके बजट में लगातार वृद्धि होती गई। अब इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 2 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 6,500 करोड़ रुपये तक जा सकती है। इस प्रोजेक्ट के तहत नई रेल लाइन इंदौर, पीथमपुर, धार, सरदारपुर, झाबुआ को जोड़ते हुए दाहोद तक पहुंचेगी, जिससे इन क्षेत्रों को नई रेल कनेक्टिविटी मिलेगी।

अस्पताल में नवजात का शव छोड़कर भागी महिला

इंदौर। इंदौर के सरकारी एमवाय अस्पताल में सोमवार तड़के एक महिला नवजात शिशु के शव को छोड़कर फरार हो गई। इस घटना को इतनी चुपचाप तरीके से अंजाम दिया गया कि किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। महिला ने अस्पताल के ग्राउंड फ्लोर स्थित इमरजेंसी यूनिट के पास शव को छोड़ा। यह घटना सुबह करीब 6 बजे की बताई जा रही है, जब सिक्योरिटी स्टाफ ने अस्पताल के पब्लिक टॉयलेट में नवजात शिशु के शव को देखा। कुछ

देर पहले तक वहां ऐसा कुछ नहीं था, जिससे यह साफ हुआ कि शव को हाल ही में वहां छोड़ा गया था।

सीसीटीवी फुटेज से की जा रही पहचान

अस्पताल के कुछ लोगों ने बताया कि तड़के एक महिला को टॉयलेट की ओर जाते हुए देखा गया था, लेकिन किसी ने उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। जब सिक्योरिटी स्टाफ को नवजात का शव मिला, तब जाकर इस घटना का खुलासा हुआ। जांच के दौरान पता चला कि जिस दिशा से महिला आई थी, वहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे। हालांकि, अन्य जगहों पर लगे कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि महिला की पहचान हो सके और इस घटना के पीछे की सच्चाई सामने आ सके।

नवजात को बाहर से लाने की आशंका

अस्पताल स्टाफ और पुलिस का मानना है कि नवजात शिशु का जन्म कहीं और हुआ था और महिला उसे बाहर से लाकर अस्पताल में छोड़कर चली गई।

एमवाय अस्पताल में अब डिलीवरी नहीं कराई जाती, क्योंकि एमटीएच अस्पताल की नई बड़ी बिल्डिंग बन जाने के बाद वहीं पर सभी प्रसव कराए जाते हैं। ऐसे में यह संभव नहीं है कि बच्चे का जन्म एमवाय अस्पताल में हुआ हो। इस आधार पर पुलिस को शक है कि महिला ने किसी दूसरी जगह पर डिलीवरी के बाद शव को अस्पताल में लाकर ठिकाने लगाया।गहों पर लगे कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि महिला की पहचान हो सके और इस घटना के पीछे की सच्चाई सामने आ सके।

एमपी का पहला पॉड होटल बनकर तैयार, भोपाल स्टेशन पर जल्द होगा शुरू

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश का पहला पॉड होटल भोपाल रेलवे स्टेशन में बनकर तैयार हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार इसका शुभारंभ 3 या 4 अप्रैल को होने की संभावना है। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर यह पॉड होटल बनाया गया है, जिसमें दो तरह के कमरे उपलब्ध हैं। अधिकारियों के अनुसार किराया अभी इनक किराया तय नहीं हुआ है, अगले दो दिन में किराए की लिस्ट जारी कर दी जाएगी।

पॉड होटल में मिलेगी यह सुविधा

1- एसी= हर पॉड में एयर कंडीशनिंग की व्यवस्था की गई है, जिससे यात्री गर्मी से राहत पा सकेंगे।

2- वाइ-फाइ= यात्रियों को इंटरनेट का सुचारु रूप से उपयोग करने के लिए हाई-स्पीड वाइ-फाइ की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

3- बिस्तर और तकिया= पॉड्स में आरामदायक बिस्तर और तकिए की व्यवस्था की गई है।

4- टॉयलेट (पुरुष एवं महिला अलग-अलग)= स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए पुरुष और महिलाओं के लिए अलग-अलग टॉयलेट की सुविधा प्रदान की गई है।

5- गर्म पानी के लिए गीजर= ठंड के मौसम में यात्रियों की सुविधा के लिए गीजर लगाए गए हैं।

6- लॉकर और लगेज रूम= यात्रियों के सामान की सुरक्षा के लिए लॉकर और लगेज रूम की सुविधा है।

7- चार्जिंग पॉइंट= मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चार्ज करने के लिए प्रत्येक पॉड में चार्जिंग पॉइंट उपलब्ध है।

8- फायरफाइटिंग सिस्टम= किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पॉड होटल में फायरफाइटिंग की पुख्ता व्यवस्था की गई है।

9- टीवी= मनोरंजन के लिए प्रत्येक पॉड में टीवी की सुविधा दी गई है।

10- मेकअप मिरर= यात्रियों की सुविधा के लिए पॉड्स में मेकअप मिरर उपलब्ध कराया गया है।

11- सीसीटीवी कैमरे= सुरक्षा के लिए होटल परिसर में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था है।

12-. सिंगल पॉड= 58 पॉड बनाए गए हैं।

13- फैमिली 20 पॉड =इसमें दो बच्चे और दो वयस्क आराम से ठहर सकते हैं।

जाने क्या है पॉड होटल

पॉड होटल, जिसे कैप्सूल होटल भी कहा जाता है, जापान में विकसित किया गया था। इसमें छोटी-छोटी कैप्सूल नुमा इकाइयों में यात्रियों के ठहरने की सुविधा दी जाती है। यह उन यात्रियों के लिए आदर्श होता है जो किफायती दर पर ठहरने की सुविधा चाहते हैं। पॉड होटल में कम जगह में उच्च श्रेणी की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

आसानी से उपलब्ध बुकिंग विकल्प

पॉड होटल की बुकिंग के लिए आईआरसीटीसी की वेबसाइट और ऑफलाइन दोनों विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। यात्रियों को बुकिंग के लिए पीएनआर नंबर अनिवार्य रूप से देना होगा।

यात्रियों के लिए आरामदायक और किफायती ठहराव भोपाल रेलवे स्टेशन पर खुलने वाला यह पॉड होटल यात्रियों को आरामदायक और किफायती ठहराव प्रदान करेगा। खासकर उन यात्रियों के लिए यह उपयोगी होगा, जो कुछ समय के लिए विश्राम करना चाहते हैं या ट्रेन के लंबे इंतजार में बेहतर विकल्प खोज रहे हैं।

यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए किया शुरू

भोपाल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इस पॉड होटल की योजना बनाई गई थी। नई बिल्डिंग 20 अक्टूबर 2019 को शुरू की गई थी और लगभग 6 साल बाद यात्रियों के लिए यह सुविधा उपलब्ध होने जा रही है।

इससे पहले साल 2021 में मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर पहला पॉड होटल खोला गया था। अब भोपाल स्टेशन पर यह सुविधा यात्रियों के आरामदायक और किफायती ठहराव को सुनिश्चित करेगी।

दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप को लूटने का प्रयास

लहूलुहान हुआ बदमाश और दुकान संचालक

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी में बदमाशों के हौंसले इस कदर बढ़े हुए हैं कि वे अवैध पिस्टल लेकर दिनदहाड़े सोने-चांदी के जेवरों और आभूषणों से सजी एक ज्वेलरी शॉप को लूटने पहुंच गया। बदमाश ने दुकान के संचालक पर अवैध हथियार के बट से हमला कर लहूलुहान कर दिया। इसके बाद दुकान संचालक ने अपने कर्मचारी के साथ मिलकर बदमाश को पकड़ लिया। बदमाश छुड़ाकर भागने का प्रयास कर ही रहा था कि फरियादी का शोर सुनकर आसपास के दुकानदार और लोग एकत्रित हो गए और बदमाश को जमकर धुना। इसके बाद सभी ने बदमाश को पीटते हुए थाने ले गए और पुलिस को सौंप दिया। बता दें कि पुलिस पूरे मामले में पूछताछ शुरू कर दी है। पूछताछ के बाद लूट के प्रयास का प्रकरण दर्ज किया जाएगा। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि बदमाश सिर्फ लूट के इरादे से आया था या उसका फरियादी से कोई पुराना विवाद है।

शाहपुरा थाना प्रभारी लोकेन्द्र सिंह ठाकुर ने बताया कि मनोज जैन विष्णु हाइटेक सिटी बावड़ियाकला में रहते हैं और रोहित नगर में अक्षांश ज्वेलर्स एण्ड रत्न परीक्षण केंद्र के नाम से दुकान संचालित करते हैं। सोमवार दोपहर करीब दो बजे एक हट्टा-कट्टा बदमाश दुकान में घुसा और सोने की चेन दिखाने को कहा। दुकान में उस समय मनोज जैन के अलावा एक कर्मचारी था। एक कर्मचारी पास में ही था। दुकान मालिक मनोज जैन ने जब सोने की चेन दिखाने के लिए बढ़े तभी ग्राहक बनकर आए बदमाश से कहा कि अपने चेहरे से नकाब हटाओ। वह नकाब हटाने को तैयार नहीं हुआ तो मनोज ने सोने के चेन से भरा बॉक्स खोलने से इंकार कर दिया। इसी बीच कुछ कहासुनी हुई और बदमाश ने पिस्टल निकालकर दो हवाई फायर कर दिया।

दबोचने के दौरान हुई मारपीट

टीआई ने बताया कि हवाई फायर के बाद मनोज और और उनका कर्मचारी बदमाश को पकड़ने का प्रयास करने लगे तो वह सामान लूटने की कोशिश की। इसी बीच आरोपी ने पिस्टल के बट से उन पर हमला कर दिया, लेकिन दोनों लोगों ने मिलकर बदमाश को दबोच लिया। उसने भागने का प्रयास किया, लेकिन हवाई फायर की आवाज और शोर शराबा सुनकर आसपास के कई दुकान संचालक एकत्रित हो गए थे। सभी ने मिलकर बदमाश को पकड़ा और पीटते हुए थाने लेकर पहुंचे हैं।

थाने के बाहर जमा हुए दुकान संचालक

दिनदहाड़े इस तरह की घटना होने के बाद रोहित नगर के कई व्यापारी थाने पहुंचे और सख्त कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी ने कहा कि फरियादी मनोज जैन का मेडिकल कराया गया है। फरियादी मनोज जैन ने पुलिस को बताया कि जब मैं सोने का चैन लेने के लिए जा रहा था तभी उसने पिस्टल तानकर मेरे कर्मचारी को किनारे बैठा दिया था। झूमाझटकी के दौरान उसने काउंटर में रखे कुछ नकदी और रिपेयरिंग वाली ज्वेलरी निकालकर अपनी जेब में रख लिया था।

प्रदेश में बढ़ी गर्मी, पारा 39 डिग्री पार पहुंचा

आगे और बढ़ेगा तापमान, 27 के बाद लू चलने के आसार

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्य प्रदेश में एक बार फिर से गर्मी ने अपना कहर दिखाना शुरू कर दिया है, जहां प्रदेश के कई क्षेत्रों में बारिश और ओले के असर से गर्मी से राहत मिली थी। वहीं एक बार फिर से तापमान 39 डिग्री पार पहुंच गया है। सोमवार को रतलाम लगातार दूसरे दिन सबसे गर्म रहा यहां का अधितम तापमान 39.2 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल का अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री, इंदौर 36.8 डिग्री, ग्वालियार 36.1 जबलपुर 36.0 डिग्री दर्ज किया गया। मौमस विभाग का कहना है कि 27 से 31 मार्च के बीच प्रदेश के कुछ इलाकों में लू भी चल सकती है। दरअसल, प्रदेश में मार्च के आखिरी दिनों में तेज गर्मी पड़ती है। पिछले 10 साल से यह ट्रेंड रहा है। अबकी बार भी ऐसा ही मौसम रहेगा।

पूरे प्रदेश में दिन का पारा बढ़ा

मौसम विभाग के अनुसार, हिमालय के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव है, लेकिन यह स्ट्रॉन्ग नहीं है। इस वजह से प्रदेश में असर कम रहेगा। सोमवार को पूरे प्रदेश में दिन के पारे में बढ़ोतरी देखने को मिली। रतलाम में 39.2 डिग्री, नर्मदापुरम में 38.8 डिग्री, धार में 38.6 डिग्री, खरगोन में 37.2 डिग्री रहा।

27 मार्च के बाद चल सकती है लू

मौसम विभाग के अनुसार, मार्च के आखिरी दिन यानी- 27 से 31 मार्च के बीच प्रदेश में फिर से गर्मी का असर देखने को मिलेगा। कुछ इलाकों में लू भी चल सकती है। कई शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है। सामान्यत: दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4.6 डिग्री तक अधिक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है। अगले 4 महीने तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने मार्च से मई तक 15 से 20 दिन हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा हो सकता है। इस कारण 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है।

अगले 2 दिन ऐसा रहेगा मौसम

24 मार्च= तीखी धूप खिली रहेगी। इससे गर्मी का असर बढ़ जाएगा। बारिश का अलर्ट नहीं है।

25 मार्च= गर्मी का असर रहेगा। दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी देखने को मिलेंगी।

डॉक्टर पर कार्रवाई को लेकर विधायक कमलेश्वर आमरण अनशन पर पर बैठे

जातिसूचक गाली देने का आरोप

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में भारत आदिवासी पार्टी के एकमात्र विधायक कमलेश्वर डोडियार सोमवार को विधानसभा शुरू होने के साथ परिसर में स्थित गांधी प्रतिमा के नीचे अमरण अनशन पर बैठ गए। डोडियार रतलाम जिला अस्पताल के डॉक्टर चंद्र प्रताप सिंह राठौर पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके निलंबन की मांग की है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें जातिसूचक गालियां देकर न केवल उनका बल्कि संपूर्ण आदिवासी समाज का अपमान किया है। विधायक ने चार महीने से डॉक्टर के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई न होने पर आक्रोश व्यक्त किया है। इस बीच विधानसभा अध्यक्ष ने उनको अनशन खत्म करने की सूचना अधिकारियों के माध्यम से पहुंचाई, लेकिन उन्होंने डॉक्टर के निलंबन तक आमरण अनशन खत्म ना करने की बात कहीं। इस बीच स्थानीय पुलिस को उनकी निगरानी करने को कहा गया। डॉक्टरों की टीम ने विधायक का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया। विधायक ने कहा कि मुझे हमेशा जान का खतरा रहता है इसलिए गालीबाज डॉक्टर के निलंबन तक विधानसभा परिसर में गांधीजी की प्रतिमा के नीचे किए जा रहे आमरण अनशन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिख हर पल की वीडियो रिकॉर्डिंग करने की मांग की।

विधायक कमलेश्वर डोडियार ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को पत्र लिखकर बताया कि अगर 24 मार्च 2025 को सदन में उनकी सुनवाई नहीं होती है, तो वे विधानसभा परिसर में स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे आमरण अनशन पर बैठेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक डॉक्टर को निलंबित नहीं किया जाता, तब तक वे न भोजन करेंगे और न ही पानी ग्रहण करेंगे।

भोपाल शहर के पांच जोनों में पहुंची स्वच्छता सर्वेक्षण टीम

नए-पुराने शहर में एक साथ किया निरीक्षण

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी में स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत चल रहे सर्वे के चौथे दिन दिल्ली से आइ टीम ने नए और पुराने शहर के विभिन्न इलाकों में निरीक्षण किया। टीम नगर निगम के पांच अलग-अलग जोनों में पहुंची। सोमवार को जोन क्रमांक सात, आठ, 10, 12 और 13 में सर्वे हुआ। इस दौरान टीम ने सभी सार्वजनिक इलाकों में साफ-सफाई की जांच की। साथ ही सुलभ शौचालय, सार्वजनिक पार्क, यलो और रेड स्पाट, सड़कों की हालत आदि का जायजा लिया।

दो टीम अलग-अलग कर रही निरीक्षण

जानकारी के अनुसार दो-दो सदस्यों की अलग-अलग टीम शहर का निरीक्षण कर रही है। एक टीम जोन 12 में जिंसी इलाके में साफ-सफाई देखने पहुंची। पुराने भोपाल के निरीक्षण के दौरान टीम को सड़क किनारे कचरे के ढेर दिखे। वहीं दूसरी टीम ने जोन 13 में सर्वे का काम पूरा किया । इसके अलावा जोन आठ में शिवाजी नगर और जोन सात में विधानसभा के आसपास के इलाकों में सफाई व्यवस्था को देखा। टीम के साथ नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग और एसबीएम का अमला भी उनकी कार के पीछे चलता रहा। सर्वे की टीम दिन में सफाई के साथ अब रात में भी सफाई के काम को परखने के लिए उतरेगी।

जीआईएस का मिल रहा फायदा

पिछले माह भोपाल में हुए ग्लोबल इन्वेस्टर समिट (जीआईएस) के दौरान पूरे शहर को पूरी तरह से चमकाया गया था। इसका फायदा अब स्वच्छ सर्वेक्षण में भी मिल रहा है। इधर निगम ने सर्वे टीम के आने से पहले शहर की सफाई व्यवस्था को पहले से दुरूस्त करने का दावा किया है। टीम के सामने गंदगी न दिखे, इसके लिए सभी 21 जोन में मॉनीटरिंग चल रही है। पब्लिक टॉयलेट को क्लीन करने से लेकर तालाबों की सफाई, पार्क, नाला-नालियां, मल्टियों की बैकलेन, फुटपाथ, बाजार, यलो स्पॉट, सड़कें, पब्लिक पैलेस, बस स्टॉप के आसपास की सफाई व्यवस्था पहले से बेहतर नजर आ रही है।

बीजेपी विधायक चिंतामणि के पक्ष में उतरे पीसीसी चीफ पटवारी

बोले- नोटिस देना लोकतंत्र की हत्या का संकेत

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय को विधान सभा में अपनी सरकार को घेरने पर पार्टी द्वारा नोटिस दिया गया है। अब पीसीसी चीफ जीतू पटवारी चिंतामणि के पक्ष में उतर आए हैं। उन्होंने सोमवार को प्रेसवार्ता कर कहा कि मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी द्वारा विधायक चिंतामणि मालवीय को कारण बताओ नोटिस जारी करना, यह साबित करता है कि बीजेपी में सच बोलना अपराध बन चुका है। यह दलित विरोधी मानसिकता का परिचायक है और लोकतंत्र के लिए घातक है। दरअसल, चिंतामणि मालवीय ने उज्जैन सिंहस्थ 2028 को लेकर किसानों की जमीन अधिग्रहण का मुद्दा विधानसभा में उठाया था। उन्होंने अपनी सरकार पर आरोप लगाया था कि उज्जैन का किसान डरा हुआ है। पहले सिंहस्थ के दौरान जमीनें तीन चार माह के लिए ली जाती थी, लेकिन अब स्पिरिचुअल सिटी के नाम पर स्थाई रूप से ली जा रही है।

किसानों की जमीन छीनना अन्यायपूर्ण

पटवारी ने कहा कि भाजपा द्वारा मालवीय को नोटिस इसलिए दिया गया क्योंकि उन्होंने लोकतंत्र के प्रति निष्ठा और अपनी जिम्मेदारी निभाई है। उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के नाम पर किसानों की जमीन अस्थायी अधिग्रहण के बहाने स्थायी रूप से हड़पने की साजिश रची जा रही है। सिंहस्थ आस्था का केंद्र है, लेकिन सरकार और माफियाओं द्वारा किसानों की जमीन छीनना अन्यायपूर्ण है। यह बीजेपी की साजिश है, जो सच बोलेगा, उसे डराया, धमकाया और कुचला जाएगा। इस समय भू-माफिया सरकार के सिर चढ़कर बोल रहा है।

हम चिंतामणि मालवीय के साथ

पटवारी ने कहा कि हम चिंतामणि मालवीय के साथ खड़े हैं, क्योंकि उन्होंने जनता की आवाज को बुलंद किया है। किसानों और दलितों का शोषण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस इस अन्याय के खिलाफ हर मंच पर आवाज उठाएगी। पटवारी ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय ने जनता के हक की लड़ाई लड़ी, लेकिन बीजेपी ने यह दिखा दिया कि जो सरकार के संरक्षण में फल-फूल रहे भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ आवाज उठाएगा, उसका सिर कुचल दिया जाएगा, भले ही वह सत्तापक्ष का जनप्रतिनिधि ही क्यों न हो। भाजपा द्वारा बरती गई यह कार्रवाई यह भी दर्शाती है कि बीजेपी में लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए कोई स्थान नहीं बचा है और पार्टी पूरी तरह से दमनकारी नीतियों पर चल रही है।

सम्पादकीय

दुनिया में उथल-पुथल मचाता रहेगा डोनाल्ड ट्रंप का कार्यकाल

भारत में निवेशकों एवं नीति निर्धारकों को निकट अवधि में अनिश्चितता के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका के जवाबी शुल्क किन रूपों में सामने आएंगे। भारत को स्थिति का अंदाजा लगाने के लिए अमेरिका के अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में रहना होगा। इस सप्ताह अमेरिका से अधिकारियों का एक दल भारत आ रहा है, जो प्रस्तावित व्यापार समझौते पर भी चर्चा करेगा। इस मोर्चे पर होने वाली प्रगति पर सबकी नजरें टिकी होंगी। ट्रंप का कार्यकाल दुनिया में उथल-पुथल मचाता रहेगा किंतु व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के समाधान से स्थिति कुछ हद तक अवश्य स्पष्ट होने की उम्मीद तो की जा सकती है।

डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका का राष्ट्रपति बने दो महीने से ज्यादा गुजर चुके हैं मगर अभी तक खुद अमेरिकी जनता और तमाम देश नहीं समझ पाए हैं कि ट्रंप की नीतियों के नतीजे क्या होंगे। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार जो आर्थिक अनुमान जारी किए हैं उन पर भी ट्रंप की नीतियों से जुड़ी अनिश्चितता एवं आशंका के प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) के सदस्यों का अनुमान है कि पिछले अनुमानों की तुलना में मुद्रास्फीति बढ़ सकती है, आर्थिक वृद्धि नरम पड़ सकती है और बेरोजगारी भी सिरदर्द बढ़ा सकती है। हालांकि इन आंकड़ों में बदलाव ज्यादा नहीं है मगर उनकी दिशा घनघोर अनिश्चितता की तरफ इशारा कर रही है। वित्तीय बाजारों के लिहाज से एक मात्र अच्छी बात यह है कि फेडरल ओपन मार्केट कमेटी इस साल ब्याज दर में 50 आधार अंक की एक और कटौती के लिए तैयार है। बहरहाल फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने नीतिगत बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शुल्कों के कारण मुद्रास्फीति को मध्यम अवधि में 2 प्रतिशत पर लाने की कवायद में देर हो सकती है। उन्होंने माना कि अनिश्चितता काफी अधिक है। फेडरल रिजर्व ने नीतिगत दर पर अनुमान नहीं बदला है मगर यह देखना चाहता है कि ट्रंप की नीतियां वास्तविक आर्थिक परिणामों पर किस तरह असर डालती हैं। अनिश्चितता का सबसे बड़ा कारण व्यापार दिख रहा है। अमेरिका ने अभी तक चीन और कुछ देशों पर ही शुल्क लगाए हैं किंतु वह 2 अप्रैल से सभी देशों पर जवाबी शुल्क लगाने की तैयारी कर रहा है, जिससे वैश्विक व्यापार में भारी उथल-पुथल मच सकती है। व्यापार के मोर्चे पर अनिश्चितता बढ़ी तो फेड के लिए नीतिगत विकल्प चुनना मुश्किल हो जाएगा। परंपरागत समझ तो यही कहती है कि मौद्रिक नीति को एकाध बार आने वाले ये झटके गंभीरता से नहीं लेने चाहिए। किंतु इस बार परिस्थितियां शायद उतनी सहज नहीं हों। अमेरिका में मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत के लक्ष्य से अधिक है और कीमतें बढ़ने पर अनुमान ज्यादा बिगड़ सकते हैं। याद रहे कि कोविड महामारी के बाद फेड मुद्रास्फीति का अनुमान लगाने में गच्चा खा गया था, जिसे आगे उसकी किसी भी टिप्पणी के समय जरूर ध्यान रखा जाएगा। शुल्कों से मुद्रास्फीति एवं इससे जुड़े अनुमान प्रभावित हो सकते हैं और उससे जुड़ी अनिश्चितताएं कारोबारी हौसला बिगाड़ रही हैं। कमजोर आर्थिक वृद्धि एवं ऊंची मुद्रास्फीति के फेड के अनुमान से यह बात साफ भी हो जाती है। ट्रंप की उथलपुथल मचाने वाली नीति शुल्कों तक ही नहीं रुकी है। आव्रजन पर ट्रंप प्रशासन की नीति के अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए दीर्घकालिक परिणाम हो सकते हैं। ट्रंप की नीतियों पर बाजार में दिखा शुरुआती उत्साह अब कमजोर पड़ने लगा है और शेयर बाजार में गिरावट से यह साबित भी होता है। कई लोगों को शुरू में लगा था कि ट्रंप की नीतियों से निकट भविष्य में आर्थिक मजबूती आएगी। मगर ऊंचे स्तरों पर पहुंचकर एसएेंडपी 8 प्रतिशत फिसल चुका है। मध्य जनवरी से डॉलर सूचकांक भी 5 प्रतिशत से अधिक गिर गया है। इस गिरावट से दूसरे बाजारों को फायदा हुआ है मसलन भारतीय मानक सूचकांक पिछले हफ्ते 4 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए। फिर भी भारत में निवेशकों एवं नीति निर्धारकों को निकट अवधि में अनिश्चितता के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका के जवाबी शुल्क किन रूपों में सामने आएंगे। भारत को स्थिति का अंदाजा लगाने के लिए अमेरिका के अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में रहना होगा। इस सप्ताह अमेरिका से अधिकारियों का एक दल भारत आ रहा है, जो प्रस्तावित व्यापार समझौते पर भी चर्चा करेगा। इस मोर्चे पर होने वाली प्रगति पर सबकी नजरें टिकी होंगी। ट्रंप का कार्यकाल दुनिया में उथल-पुथल मचाता रहेगा किंतु व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के समाधान से स्थिति कुछ हद तक अवश्य स्पष्ट होने की उम्मीद तो की जा सकती है।

'छावा' विवाद से किसका नफा, किसका नुकसान

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म छावा के चलते मुगल बादशाह औरंगजेब इन दिनों चर्चा में है। औरंगजेब भी चर्चा में तब आया, जब मुंबई के एक विधायक अबू आजमी ने उसकी प्रशंसा कर दी। इसके बाद विवाद इतना बढ़ा कि महाराष्ट्र से लेकर देश की राजनीति सुलगने लगी। वामपंथी और राष्ट्रवादीय ऐतिहासिक दृष्टि तो पहले से ही औरंगजेब को लेकर बंटी हुई है, ऐसे में राजनीति नहीं बंटती तो हैरत ही होती। राजनीति के इस बंटवारे पर निगाह जमाए बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका मिला और नागपुर में दंगा फैल गया। अब दंगे की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, पता चल रहा है कि औरंगजेब को लेकर जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, धार्मिक आधार पर वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ा।

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म छावा के चलते मुगल बादशाह औरंगजेब इन दिनों चर्चा में है। औरंगजेब भी चर्चा में तब आया, जब मुंबई के एक विधायक अबू आजमी ने उसकी प्रशंसा कर दी। इसके बाद विवाद इतना बढ़ा कि महाराष्ट्र से लेकर देश की राजनीति सुलगने लगी। वामपंथी और राष्ट्रवादीय ऐतिहासिक दृष्टि तो पहले से ही औरंगजेब को लेकर बंटी हुई है, ऐसे में राजनीति नहीं बंटती तो हैरत ही होती। राजनीति के इस बंटवारे पर निगाह जमाए बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका मिला और नागपुर में दंगा फैल गया। अब दंगे की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, पता चल रहा है कि औरंगजेब को लेकर जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, धार्मिक आधार पर वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ा। इसने सामाजिक समरसता के पथ के नीचे जैसे बारूद बिछा दी। इस बारूद के इंतजार में बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका माकूल लगा और उन्होंने अफवाह की माचिस धीरे से जलाकर बारूद के ढेर पर फेंक दी। नागपुर के दंगों में बांग्लादेशी कनेक्शन के संकेत तो यही हैं।

समाजशास्त्री और चुनाव शास्त्री मानते हैं कि धार्मिक ध्रुवीकरण का फायदा राजनीति के उस हिस्से को होता है, जो मध्यमार्गी नहीं होती। उन्हें इसमें एक और तथ्य भी जोड़ देना चाहिए कि ध्रुवीकरण का फायदा राष्ट्रविरोधी ताकतों को भी मिलता है। तीन सौ साल पुराने शहर नागपुर का दंगों की आग में झुलसना तो यही बताता है। यह भी ध्यान देने की बात है कि नागपुर में अब तक कभी दंगा नहीं हुआ। बाबरी ध्वंस के बाद महाराष्ट्र के कई इलाके जब सुलग रहे थे, तब भी नागपुर शांत था। लेकिन औरंगजेब के चरित्र पर जब छावा फिल्म ने सवाल उठाए तो नागपुर जल उठा।

औरंगजेब महान था या क्रूर, इसे लेकर इतिहासकार कभी एकमत नहीं हो सकते। वैसे इतिहास लेखन की जो नई धाराएं हैं, उनमें किसी भी ऐतिहासिक शख्सियत का सम्यक मूल्यांकन नहीं होता। बल्कि इतिहासकार अपने-अपने वैचारिक खेमे के लिहाज से अपनी सरपरस्त राजनीतिक धारा को फायदा पहुंचाने को लेकर ऐतिहासिक चरित्रों को पेश करता है। औरंगजेब के चरित्र को लेकर लिखे गए इतिहास की भी यही कहानी है। यह बताने की जरूरत नहीं कि औरंगजेब को वामपंथी इतिहासकार महान शासक बताते रहे हैं। स्कूली पाठ्यक्रमों में औरंगजेब के बारे में पढ़ाया ही जाता रहा है कि बादशाह होने के बावजूद वह टोपी सिलकर और कुरान बेचकर अपना खर्च चलाता था। इस तथ्य को स्कूली स्तर से ही भारत की दो पीढ़ियों में इस कदर घोलकर पिला दिया गया है, उसके अन्य क्रूर कार्यों की छाप कहीं नेपथ्य में चली जाती है। बेशक औरंगजेब कुरान बेचकर और टोपी सिलकर अपना दैनंदिन खर्च चलाता था, लेकिन यह भी सच है कि उसने सल्तनत अपने नाम करने के लिए अपने ही भाई दाराशिकोह की हत्या करा दी थी, अपने ही पिता शाहजहां और माता को आगरा के किले में कैद कर रखा था। औरंगजेब के खाते में अपने शासन के दौरान हिंदुओं पर तरह-तरह के अत्याचार भी दर्ज हैं।

नागपुर के दंगों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने जो कहा है, उसे लेकर भी विवाद हो रहा है। फड़णवीस ने कहा है कि छावा फिल्म को लेकर मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था। वैसे नागपुर में अफवाह फैलाई गई कि कुरान को जलाया जा रहा है। इसके बाद नागपुर का मुस्लिम समुदाय आक्रामक हो उठा और देखते ही देखते संतरा उत्पादन इलाके की राजधानी के रूप में विख्यात नागपुर धधक उठा। जब से शिवसेना के रास्ते बीजेपी से अलग हुए हैं, तब से उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना बीजेपी और उसके मराठी अगुआ देवेंद्र फडणवीस पर हमले और तंज कसने का कोई मौका नहीं छोड़ती। मराठी मानुष की नजर में हिंदू हृदय सम्राट रहे बाला साहब ठाकरे की वैचारिक उत्तराधिकारी होने का दावा करने वाली शिवसेना के लिए देवेंद्र फड़णवीस का बयान बढ़िया अवसर लगा। उसने देवेंद्र फडणवीस पर हमला बोल दिया। उद्धव की शिवसेना इस बहाने देवेंद्र को यह साबित करने में जुटी रही कि दरअसल वे सिर्फ हिंदुओं के वोट के लिए हिंदुत्व की राजनीति करते हैं, अलबत्ता उनका नजरिया दूसरा है। यह बात और है कि बीजेपी की ओर से शिवसेना के बयानों पर वैसी प्रतिक्रियाएं नहीं आई हैं, जैसी उसकी प्रतिक्रिया अबू आजमी के बयान के बाद आई थी, जिसमें आजमी ने औरंगजेब की प्रशंसा की थी।

अगर हम मान लेते हैं कि छावा की वजह से मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था, क्योंकि इस फिल्म में औरंगजेब के चरित्र को उनके जेहनी छवि से अलग रूप में पेश किया गया है, तो इसका मतलब यह है कि फिल्म किताब की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावी माध्यम है। यह फिल्म मराठी के मशहूर उपन्यासकार शिवाजी सावंत के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। दिलचस्प यह है कि यह उपन्यास करीब 46 साल पहले 1979 में प्रकाशित हुआ था, जिसका हिंदी समेत कई अन्य भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। छावा का मतलब बच्चा या बेटा होता है। यह उपन्यास शिवाजी के बेटे संभाजी के जीवन पर केंद्रित है। इस उपन्यास में छत्रपति संभाजी के साथ औरंगजेब के युद्ध और मराठा साम्राज्य पर औरंगजेब के अत्याचार की कहानियां हैं। फिल्म में इसे ही उभारा गया है।

वैसे एक सवाल यह भी उठता है कि ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर कोई समुदाय इस कदर क्यों खुद की भावनाओं को जोड़ लेता है ? औरंगजेब के चरित्र को लेकर इतना गुस्से में भरने की जरूरत ही क्यों पड़े कि अपने आज के पड़ोसियों के साथ विवाद खड़ा करना पड़े। अगर किसी चरित्र का ऐतिहासिक स्वरूप क्रूरता से भरा है तो क्रूरता का बचाव ही क्यों करना? सवाल राजनीति से भी पूछे जा सकते हैं कि राजनीतिक लाभ-हानि के हिसाब को कब परे रखकर ऐतिहासिक चरित्रों का समग्रता से मूल्यांकन करेगी? सवाल यह भी उठ सकता है कि क्या हम इतिहास को लेकर रोज-रोज के अपने रिश्तों को इतना बिगाड़ लेंगे कि हम वर्तमान में अपने साथियों और पड़ोसियों के साथ सुकून के साथ बैठ नहीं सकें, दो बोल बोल नहीं सकें। सवाल इतिहासकारों से भी पूछा जाना चाहिए कि वे कब अपनी वैचारिक खेमेबाजी से उठकर किसी ऐतिहासिक घटना और चरित्र का आकलन करेंगे और कब तक अपने वैचारिक आकाओं के राजनीतिक मोहरे बनते रहेंगे?

इन सबमें दिलचस्प यह है कि छावा फिल्म के जरिये फिल्मकार की मोटी कमाई हो रही है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह फिल्म साढ़े सात सौ करोड़ रूपए से ज्यादा की कमाई कर चुकी थी। यानी विवादों ने फिल्म को आर्थिक फायदा खूब पहुंचाया है। इस पूरे विवाद में अगर नुकसान हुआ है तो सिर्फ और सिर्फ भारत के लोक का, जो लोकतंत्र का आधार है। जो आपस में ही लड़ने को उतारू है। उसे ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर अपनी खेमेबंदी अपने वैचारिक आधारों की बुनियाद पर खड़ी करने की बजाय समग्रता में करनी होगी। अन्यथा उसकी भावनाओं के जरिए कारोबार भी होगा और राजनीति भी होती रहेगी।

बता दें कि औरंगजेब की कब्र पर महाराष्ट्र का सियासी माहौल गर्म है। एक धड़ा कब्र को हटाने की मांग कर रहा है। अब केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने बड़ बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को हटाया न जाए। उन्होंने सलाह दी है कि छत्रपति संभाजीनगर में छत्रपति संभाजी महाराज का भी स्मारक बना दिया जाए। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के नेता व केंद्रीय मंत्री अठावले ने पत्रकारों से कहा कि औरंगजेब की कब्र को हटाने से कुछ हल नहीं होगा। अठावले ने कहा कि कब्र को मत हटाइए। संभाजीनगर में छत्रपति संभाजी राजे का एक बड़ा स्मारक बनना चाहिए। महाराष्ट्र में विश्व हिंदू परिषद समेत कई नेताओं ने औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग। प्रदेशभर में जगह-जगह धरने प्रदर्शन भी हो चुके हैं। हिंदू संगठनों का आरोप है कि औरंगजेब ने अपने शासनकाल में हिंदुओं पर अत्याचार किया। रामदास अठावले ने आगे कहा कि औरंगजेब की कब्र भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है। हमें संभाजी महाराज की विचारधारा के साथ आगे बढ़ना है। मगर देश में शांति होनी चाहिए.सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाल रहे अठावले ने मुसलमानों से खुद को औरंगजेब के साथ न जोड़ने की अपील की। अठावले ने कहा, मुस्लिम समुदाय से मेरा अनुरोध है कि आप खुद को औरंगजेब से न जोड़ें। यहां के मुसलमान हिंदू थे। यहां के मुसलमान औरंगजेब की संतान नहीं हैं। उनका उससे कोई संबंध नहीं है।

खुदकुशी को न्योता देते मानसिक विकार

'मन के जीते जीत है, मन के हारे हार', यह उक्ति न जाने कितने लोगों के जीवन में प्रेरणा की स्रोत रही होगी। न जाने कितने लोगों ने इन शब्दों को आत्मसात कर जीवन की कठिनाइयों का न केवल सामना किया है, अपितु उन पर विजय पताका लहराई होगी। आज के संदर्भ में न तो कोई शब्द न ही कोई उक्ति, न कोई मुहावरा अथवा लोकोक्ति प्रचलित है, या इनका उपयोग केवल परीक्षा पास करवाने के लिए पाठ्यक्रम का हिस्सा मान लिया गया है। जहां तक अध्ययन एवं अध्यापन का सवाल है, ये सदैव ही व्यावहारिक होने चाहिए। शिक्षा व्यक्ति के चरित्र व व्यक्तित्व में झलकनी चाहिए, तभी शिक्षा का मूल उद्देश्य सार्थक होता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आए दिन प्रदेश में खुदकुशी एवं आत्महत्या के समाचार विभिन्न माध्यमों से देखने या सुनने को मिलते हैं। खुदकुशी व आत्महत्या जैसे शब्दों के सुनने मात्र से डर की भावना सभी मनुष्यों में दस्तक देती है, फिर भी न जाने क्यों और कैसे जान बूझकर मौत के आगोश में चले जाते हैं, यह हम सभी के समक्ष चिंता का विषय है। मृत्यु अटल है, जिसका जन्म हुआ, उसकी मृत्यु निश्चित है, यह परम सत्य है। लेकिन जानबूझ कर मौत को गले लगाना उचित है, यह एक यक्ष प्रश्न है। प्रदेश में प्रत्येक आयु वर्ग के लोगों में खुदकुशी का भयानक सच देखने को मिलता है। आए दिन समाचार पत्रों में खुदकुशी की खबरें छपी नजर आती हैं। परीक्षा परिणाम में असफलता से खुदकुशी, पारिवारिक झगड़ों के कारण खुदकुशी, प्रेम प्रसंग विफलता से खुदकुशी, सामाजिक दबाव से खुदकुशी व उच्च अधिकारी के दबाव के कारण खुदकुशी सहित न जाने खुदकुशी के कितने प्रकार हैं। अगर इन प्रकारों को गिनते जाएं तो न जाने फेहरिस्त कितनी लंबी होगी। खुदकुशी शब्द वैसे सुनने में तो उतना भयावह नहीं क्योंकि जहां खुशी का जिक्र आए वहां कैसा डर, परन्तु वास्तविकता तथा इसके परिणाम विशेषतः पारिवारिक दृष्टिकोण से भयावह एवं पीड़ादायक होते हैं। एक ऐसी पीड़ा जिसका वर्णन अल्फाज में करना मुमकिन नहीं होता। खुदकुशी की यह पीड़ा व इसकी तस्वीर तब गंभीर होती है, जब समाज के प्रबुद्ध एवं हजारों के प्रेरणास्रोत व्यक्ति इस रास्ते को अपनाते हैं। कौन भूल पाया होगा स्वर्गीय अश्वनी कुमार को जो पूर्व आईपीएस ऑफिसर व नागालैंड राज्य के राज्यपाल रहे। इसके अलावा भी वह अपने जीवन में न जाने कितने बड़े-बड़े पदों पर आसीन रहे हैं। ऐसे पद जिनको पाने के लिए व्यक्ति अपना सर्वस्व तक न्योछावर करने को तत्पर रहते हैं। ऐसी शख्सियत की खुदकुशी की खबर ने तो न जाने कितने लोगों को सोचने पर विवश किया होगा, कि मानसिक विकार के आगे पदवी एवं भोग-विलासिता का कोई महत्व नहीं। वहीं प्रदेश के मंडी लोकसभा क्षेत्र से सांसद रहे स्वर्गीय श्री रामस्वरूप शर्मा सहित प्रदेश के न जाने कितने प्रभुत्वशाली व्यक्तित्व मानसिक विकारों के चलते खुदकुशी जैसी कायराना हरकत को अंजाम दे गए। आए दिन नशे की लत में संलिप्त युवा भी खुदकुशी रूपी काल का ग्रास बनते जा रहे हैं। जब हम ऐसी घटनाओं पर मंथन करते हैं तो इनके पीछे मानसिक विकार स्पष्ट रूप से सामने आता है। देश-विदेश के अनेक शोध अध्ययन भी खुदकुशी के कारणों में मनोवैज्ञानिक विकारों को मुख्य कारण मानते हैं। वर्तमान में जहां एक ओर मानव जीवन विलासितापूर्ण है, वहीं मनुष्य कई प्रकार के मानसिक विकारों का शिकार है अथवा ग्रसित है। मानसिक विकार विभिन्न प्रकार के होते हैं। यद्यपि ये विकार व्यक्ति की आयु, लिंग एवं जीवन शैली के अनुसार पृथक-पृथक हो सकते हैं। चिंता विकार मुख्य सामान्य मानसिक विकार है तथा इसे मानसिक विकारों की जननी कहना भी उपयुक्त होगा। किसी ने क्या खूब कहा है कि ह्यचिंता, चिता का कारण है। चिंता किसे नहीं होती, शायद ही ऐसा कोई व्यक्ति होता होगा जिसको चिंता न होती हो, लेकिन चिंता को अपने ऊपर हावी होने देना मानसिक विकार को उत्पन्न करता है। फलतः खुदकुशी का कारण बनती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज विश्व की लगभग 35 करोड़ जनसंख्या चिंता विकार की शिकार है।

वहीं अवसाद जिसे डिप्रेशन कहते हैं, भी मानसिक विकार व रोग है जिसमें व्यक्ति को उदासी, निराशा व जीवन के प्रति रुचि की कमी महसूस होती है। अतः व्यक्ति का अपने प्रति यह उदासीन रवैया कभी-कभार खुदकुशी का कारण बनता है। द्विध्रुवी विकार भी एक मानसिक विकार है जिसमें व्यक्ति को अवसाद और उत्तेजना के बीच में बदलाव का अनुभव होता है। वहीं स्किजोफ्रेनिया मानसिक विकार में व्यक्ति को वास्तविकता की धारणा में गड़बड़ी का अनुभव होता है तथा उसी उधेड़बुन में व्यक्ति डूबा रहता है। इसके कारण समाज में लोग ऐसे व्यक्ति को पृथक समझने लगते हैं तथा पृथकीकरण से अवसाद (डिप्रेशन) की स्थिति पैदा होती है। डिप्रेशन के परिणाम समय के साथ-साथ भयानक होते हैं, यदि समय रहते इसका उपचार न किया जाए। यही नही अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर से न जाने कितने व्यक्ति प्रभावित होंगे। इसमें व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने और नियंत्रित करने में कठिनाई का अनुभव होता है। साथ ही पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसआर्डर भी मानसिक विकार है जिसमें व्यक्ति को अतीत के आघात के कारण तनाव और चिंता का अनुभव होता है। इसके अतिरिक्त ओब्सेसिव-कंपल्सिव डिसऑर्डर, ईटिंग डिसऑर्डर, पर्सनैलिटी डिसऑर्डर, स्लीप डिसऑर्डर जैसे न जाने कितने विकारों से ग्रसित आज का मनुष्य है।

मातृ मृत्यु दर कम करने की जंग... कहां तक पहुंचा भारत?

पिछले दो दशकों में, भारत ने मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में उल्लेखनीय कमी दर्ज की है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं, संस्थागत प्रसव में वृद्धि, और व्यापक सामाजिक सुधारों के कारण मातृ मृत्यु दर में गिरावट आई है। इसके बावजूद, देश के विभिन्न क्षेत्रों में मातृ मृत्यु दर में असमानता बनी हुई है और भारत अभी भी अंतरराष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने से कुछ दूरी पर है। महिलाओं में मृत्यु के प्रमुख कारणों में मातृ मृत्यु दर एक महत्वपूर्ण कारण बनी हुई है। 2020 में, 15-29 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं की कुल मृत्यु में से लगभग 7% मौतें मातृ मृत्यु से जुड़ी थीं।

मातृ मृत्यु का अर्थ है गर्भावस्था के दौरान या गर्भावस्था समाप्त होने के 42 दिनों के भीतर महिला की मृत्यु। भारत में मातृ मृत्यु का अनुमान नमूना पंजीकरण प्रणाली (एस आर एस) से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर लगाया जाता है। 2018-2020 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति 1,00,000 जीवित जन्मों पर 97 महिलाओं की मृत्यु हुई, जो लगभग 24,000 वार्षिक मौतों के बराबर है। भारत में विभिन्न राज्यों में मातृ मृत्यु दर में बड़ा अंतर है।

केरल में सबसे कम एमएमआर 19 प्रति 1,00,000 जीवित जन्मों पर दर्ज किया गया, जो अमेरिका (21) से भी बेहतर है। वहीं, असम, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में एमएमआर सबसे अधिक दर्ज किया गया। ये राज्य स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित पहुंच और बुनियादी ढांचे की समस्याओं से जूझ रहे हैं। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध एसआरएस डेटा मातृ मृत्यु के कारणों पर जानकारी प्रदान नहीं करता है। हालांकि, 2007 से 2014 के बीच किए गए मिलियन डेथ स्टडी में वर्बल ऑटोप्सी पद्धति का उपयोग करके मृत्यु के कारणों को समझने का प्रयास किया गया। 2021 के एक अध्ययन के अनुसार, भारत में मातृ मृत्यु का प्रमुख कारण ऑब्स्टेट्रिक हैमरेज (गर्भावस्था, प्रसव या प्रसव के तुरंत बाद अत्यधिक रक्तस्राव) है।

यह समस्या पूरे देश में महिलाओं को प्रभावित करती है, लेकिन बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे गरीब राज्यों में विशेष रूप से गंभीर है। 2007 से 2014 के बीच इन क्षेत्रों में आधे से अधिक मातृ मृत्यु हैमरेज के कारण हुईं, क्योंकि देरी से निदान और अपर्याप्त उपचार अक्सर घातक साबित हुआ। वहीं, केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे समृद्ध राज्यों में गर्भावस्था से जुड़ी उच्च रक्तचाप की बीमारियां (प्री-एक्लेम्पसिया और एक्लेम्पसिया) एक गंभीर खतरे के रूप में उभरी हैं।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) को कम करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। 2014-16 में प्रति 1,00,000 जीवित जन्मों पर 130 मातृ मृत्यु दर्ज की गई थी, जो 2018-20 में घटकर 97 रह गई।

कुछ राज्यों ने सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के तहत 70 से कम एमएमआर प्राप्त कर लिया है, जिनमें केरल, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, झारखंड, गुजरात और कर्नाटक शामिल हैं। हालांकि, अन्य राज्यों में अब भी उच्च मातृ मृत्यु दर बनी हुई है, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और बिहार जैसे राज्यों में। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-5 (2019-21) के अनुसार, प्रसवपूर्व देखभाल में सुधार हुआ है। पहली तिमाही में प्रसवपूर्व देखभाल प्राप्त करने वाली महिलाओं का अनुपात 59% (2015-16) से बढ़कर 70% हो गया है। चार या अधिक प्रसवपूर्व देखभाल प्राप्त करने वाली महिलाओं की संख्या भी 51% से बढ़कर 59% हो गई है।

रेल लाइन पर प्रेमी युगल के शव मिलने से सनसनी

पुलिस जांच में जुटी

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले के कुठला थाना क्षेत्र नयागांव स्थित रेलवे लाइन में एक युवक ओर युवती का शव मिलने से पूरे इलाके ने सनसनी फैल गई जिसे देख रेलवे के कर्मचारी ने उसकी सूचना कुठला थाने की पुलिस को दी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत ही शव का पंचनामा कार्यवाही कर जिला अस्पताल के पोस्टमार्ट करा युवक ओर युवती के परिजनों को सौंप दिया है।

कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने बताया कि ये दोनों कुठला थाना क्षेत्र नयागांव के निवासी है और दोनों के बीच प्रेम प्रसंग होना बताया जा रहा है। मृतक का नाम मुकेश साहू 25 वर्षीय ओर मृतिका मालती साहू जो 22 वर्षीय करीब है। रेल लाइन में पड़े दोनों के शवों को देखा गया तो दोनों मृतकों ने एक दूसरे का हाथ पकड़े हुए थे, इस घटना की सूचना मिलते ही कुठला थाने के पुलिस स्टॉप मौके पर पहुंच गई और दोनों शवों का पंचनामा कार्यवाही करते हुए जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करा दोनों शवों को उनके परिजनों को सौंप पूरे मामले में जांच में जुट गई है।

सेना में चयन के बाद भी युवक ने की आत्महत्या

वीडियो में कर्ज से परेशान होने की बात कही

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, मम्मी-पापा सॉरी, मेरा आर्मी में सिलेक्शन हो गया है और इसके बाद भी आज में मर रहा हूं। यह कहते हुए कटनी जिले के स्लीमानाबाद थाना क्षेत्र चारगांवा निवासी एक 22 वर्षीय युवक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस पूरे मामले में पुलिस ने मृतक युवक के मोबाइल से वीडियो और व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम में किए चैट की कॉपी ले मामले में जांच में जुट गई है।

मृतक रविदास सिंह नमक युवक के दोस्त ने बताया कि उसने अपने गांव के पहाड़ी क्षेत्र में जाकर सबसे पहले जहर का सेवन किया और फोन पर अपनी वीडियो बना परिजनों को भेजी और फोन पर यह बताया कि उसने जहर खा लिया है। जिसके तुरंत बाद मृतक युवक का दोस्त और उसके परिजन मौके पर पहुंच तुरंत ही 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां इलाज के दौरान रविदास सिंह की मौत हो गई। मृतक रविदास सिंह ने जहर का सेवन करने के पहले अपने मोबाई पर अपनी पहले वीडियो बनाते हुए कहा कि मम्मी-पापा सॉरी, मेरा आर्मी में सिलेक्शन हो गया है और इसके बाद भी आज में मर रहा हूं। इस वीडियो में मृतक रविदास सिंह ने दो युवकों का नाम लेते हुए कहा है कि मैने इनसे 22 हजार रूपए उधार लिया था लेकिन दोनों युवक पिछले कई दिनों से डेढ़ लाख रूपए की मांग करते हुए परेशान कर रहे थे। वॉट्सएप और इंस्ट्राग्राम पर मैसेज करते थे। जिससे परेशान होकर युवक ने जहर खा लिया और उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के दोस्त ने बताया मृतक रविदास सिंह स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम चरगवां निवासी है और कुछ दिन पहले ही भारतीय सेना के लिए उसका चयन हुआ था। जहर का सेवन करने के पहले रविदास सिंह ने अपने मोबाइल में वीडियो बनाते हुए दो युवकों सुजीत कुशवाहा एवं एक अन्य से 22 हजार रुपये का कर्ज लिया था लेकिन जब उसका आर्मी में चयन हो गया तो कर्जदार युवकों द्वारा उससे 22 हजार रुपये की बजाय डेढ़ लाख रुपए की मांग की जाने लगी। इसके अलावा माता-पिता से अलग से 40 हजार रूपयों की डिमांड की जा रही थी। पिछले कुछ दिनों से मोबाइल पर चेटिंग करते हुए उस पर रुपये दिये जाने के लिए दबाव बनाया जा रहा था, जिससे परेशान होकर जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया। परिजनों द्वारा उसे गंभीर हालत में कटनी जिला अस्पताल लाया गया, जहां से उसे जबलपुर रिफर किया गया, लेकिन सिहोरा के पास उसकी मौत हो गई। आत्महत्या करने के पहले उसने एक वीडियो बनाकर कर्जदारों द्वारा परेशान किये जाने कही है। वीडियो में युवक ने साफ तौर पर दो युवकों पर कर्ज की रकम वसूल करने को लेकर दवाब बनाने की बात भी कही है। बताया जाता है कि रवि के पिता किसान और दादा सेना से रिटायर्ड हैं। पुलिस ने सूदखोरों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। कटनी एडिशनल एसपी संतोष डेहरिया ने कहा कि जहर खाने से युवक की मौत की खबर मिली है। उसका पोस्टमार्टम सिहोरा में हुआ है। मर्ग डायरी मिलने के बाद मामले की जांच की जाएगी और परिजनों के बयान के आधार पर दोषियों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

श्री वैष्णव बैरागी समाज में हर्ष और खुशी की लहर

वरिष्ठ समाजसेवी भगवानदास बैरागी जिलाध्यक्ष नियुक्त

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, विगत दिनों भाजपा ग्रामीण मंडल पनवाड़ी के महामंत्री एवं वरिष्ठ समाजसेवी भगवानदास बैरागी को श्री वैष्णव बैरागी समाज के जिलाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया, इसके बाद समस्त पदाधिकारियों सहित कई अन्य समाजजनों ने भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ रवि पाण्डे का श्री वैष्णव बैरागी समाज जिला शाखा शाजापुर कि और से सभी समाज जनों की गौरवमयी उपस्थिति में उनके निज निवास संजीवनी क्लिनिक पर जाकर सम्मानित किया, और शुभकामनाएं प्रेषित की, इस अवसर पर नवनियुक्त वैष्णव बैरागी समाज के जिलाध्यक्ष भाजपा पनवाड़ी मण्डल महामंत्री भगवान दास जी बैरागी, कार्यकारीणी जिला अध्यक्ष वरुणदास बैरागी, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद् वैष्णव ,युवा इकाई जिला अध्यक्ष महेन्द्र बैरागी चोसला , सचिव भगवान दास बैरागी (पत्रकार शाजापुर) समाज के वरिष्ठ सुप्रसिद्ध जादूगर वी,डी बैरागी, हेमंत बैरागी शाजापुर, ईश्वरदास पिपलोदा,अमित वैष्णव मोरटा, पवन बैरागी दुहानी, घीसुदास दुपाड़ा,राधेश्याम दास, बापचा,भूपेंद्र वैष्णव,राकेश वैष्णव,राहुल बैरागी ,ईस्वर दास वैष्णव (अध्यक्ष मानवाधिकार ×भ्र्ष्टाचार विरोधी फोरम मध्यप्रदेश) व विष्णुदास बैरागी मोरटा उपस्थित रहे, इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ रवि पाण्डे द्वारा नव नियुक्त जिला अध्यक्ष भगवानदास बैरागी, व समाज कार्यकारिणी जिला अध्यक्ष वरुणदास बैरागी व जिला अध्यक्ष युवा इकाई महेंद्र बैरागी का सम्मान कर सुभकामनाये प्रेषित की।

केंद्र व प्रदेश सरकार की आठ वर्ष की उपलब्धियों का उत्सव अभियान के विषय पर जनपद कार्यालय सहारनपुर पर कार्यशाला हुई आयोजित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, केंद्र व प्रदेश सरकार की आठ वर्ष की उपलब्धियों का उत्सव अभियान के विषय पर आज जनपद कार्यालय सहारनपुर पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य रूप से आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा रखी गई। कार्यशाला में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री बृजेश सिंह उपस्थिति रहे।कार्यशाला में भारतीय जनता पार्टी के जिला पदाधिकारी, मंडल, मोर्चा, प्रकोष्ठ, एवं प्रकल्प के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सहभागिता की।

शहीदी दिवस पर डॉ. प्रतिभा चौधरी ने लगाया निःशुल्क मेडिकल कैंप

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर (नकुड), प्रतिभा होम्योपैथिक क्लीनिक की ओर से जैन धर्मशाला नकुड में निःशुल्क होम्योपैथिक मेडिकल कैंप लगाया गया। इस अवसर पर डॉ. प्रतिभा चौधरी ने कहा कि शहीद दिवस पर निःशुल्क होम्योपैथिक कैंप लगाया गया। जिसमें 135 मरीजों को निःशुल्क सलाह एवं 9 से 15 दिनों तक की दवाई मुफ्त दी गई। इस अवसर पर प्रीति, अंजलि, वासु, वर्षा, प्रणिका, वाणी, वंश, जयवर्धन, धनंजय, अमन, शौर्य, मधुर, नितिन, दिग्विजय ने कैंप में भरपूर सहयोग दिया। डॉ. प्रतिभा चौधरी ने कहा कि प्रतिभा होम्योपैथिक क्लिनिक नकुड के द्वारा यह सेवा लगातार चलती रहेगी।

आपने दी शिक्षा हम बड़े कर्तव्य पथ पर...हुआ मिलन समारोह

खेतिया- शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेतिया के विद्यार्थी बेच 2006 से 2008 के द्वारा शिक्षक सम्मान व विद्यार्थी मिलन समारोह पुराने कोहिनूर हीरे के नाम से जुड़े विद्यार्थीयो द्वारा आयोजन महाराष्ट्र के खेड़ रेस्ट हाउस में किया गया जिसमें विद्यालय के सेवानिवृत एवं वर्तमान में कार्यरत शिक्षक व शिक्षिका- बाबूराम दिवाकर,गोविंद प्रसाद मंगल, गबा चौहान, राजेश माणगे, संजय पाटिल, नरेंद्र पाठक, शैलेंद्र शाह, ह्.क्र्पाटीदार,हेमराज सिरसठ, शीतल चौहान, सीमा जैन,चेनसिंग, सुरेश, भीकाजी,चौधरी सर उपस्थित रहे। जिसमें शिक्षकों द्वारा मां सरस्वती की पूजा कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। साथी शिक्षकों के सम्मान में स्मृति चिन्ह भेंट कर एवं हार फूल से स्वागत किया गया। जिसमें सभी टिचरो ने अपना अपना अनुभव साझा किया, साथ ही कहा की बड़वानी जिले में शायद ही कहीं ऐसा कार्य क्रम हुआ होंगा जहा विद्यार्थी मिलन समारोह के साथ शिक्षको का सम्मान समारोह किया गया हो ये आज के समय के बच्चो के लिए अच्छा संदेश है,विद्यार्थी मिलन समारोह में काफी दूर दराज से सभी मित्रगण सामिल हुए जिसमे पुराने कोहिनूर के हीरे ग्रुप के आयोजक पवन रावताले, दिनेश भोसले, रामकृष्ण शार्दुल, प्रदीप चौहान, विवेक महाले, हेमंत देसले, नानेश श्रीराय, चंद्रकांत पाटील, चेतन पटेल, विकलेश देसले, डॉ प्रमोद सूर्यवंशी व आदि विद्यार्थियों के सानिध्य में मिलन समारोह संपन्न हुआ।

पुलिस ने चार पहिया वाहन चोरी का पर्दाफाश किया, तीन आरोपी ओर मशरूका सहित गिरफ्तार

आलीराजपुर पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे चोरी गया चार पहिया वाहन जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास ने बताया कि दिनांक 12.03.2025 को थाना चाँदपुर में फरियादी रामलाल पिता ईडला सोलंकी, उम्र 30 वर्ष, निवासी खेरवड़ पुजारा फलिया द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह अपने परिवार के साथ भगोरिया मेले देखने चाँदपुर आया था। फरियादी ने अपनी चार पहिया तुफान गाड़ी अग्रेंजी शराब दुकान के सामने खेत में एक पेड़ के नीचे खड़ी की थी। जब वह मेला देखकर करीबन 03:30 बजे वापस लौटा, तो उसकी गाड़ी वहां नहीं थी। काफी खोजबीन करने के बाद भी वाहन का कोई पता नहीं चला। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा लगभग 5,00,000/- की कीमत की तुफान गाड़ी चोरी कर ली गई थी। इस सूचना पर थाना चाँदपुर पुलिस ने तत्काल अपराध क्रमांक 39/2025 धारा 303(2) बी.एन.एस. के तहत मामला पंजीबद्ध कर प्रकरण अनुसंधान म लिया गया।

पुलिस टीम का गठन एवं आरोपी की तलाश अज्ञात आरोपी और चोरी गए वाहन की तलाश हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप पटेल एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनुभाग अलीराजपुर अश्विनी कुमार के पर्यवेक्षण थाना प्रभारी चांदपुर के अधीनस्थत टीम गठित की गई। टीम द्वारा विभिन्न संभावित स्थानों पर तलाशी के साथ-साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर अज्ञात आरोपी विशाल पिता राजेन्द्र राठोड़, उम्र 46 वर्ष, निवासी भीकनगांव, जिला खरगोन को दिनांक 21.03.2025 को गिरफ्तार कर दिनांक 12.03.2025 को चाँदपुर भगोरिया मेले से चुराई गई तुफान वाहन को ग्राम कवाट डही रोड से जप्त की गई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने पूर्व में भी एक बोलेरो वाहन ग्राम उमराली से एवं एक तुफान वाहन ग्राम आम्बुआ से चोरी किया था। उसने ये दोनों वाहन उसके द्वारा बेच दिए गये थे। आरोपी विशाल पिता राजेन्द्र राठोड़ से प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस ने उसके अन्य सहयोगी आरोपियों की तलाश की कार्यवाही करने पर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी के वाहनों को खरीदने वाला आरोपी सद्दाम पिता कालु शेख, उम्र 34 वर्ष, निवासी धवली, तहसील वरला, जिला बड़वानी छकतला रोड स्थित ग्राम मोरधी में मौजूद है, जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर दिनांक 21.03.2025 को आरोपी सद्दाम को गिरफ्तार कर एक बोलेरो वाहन बरामद किया। इसके बाद, पुलिस ने एक अन्य आरोपी भारत पिता गिलदार, उम्र 21 वर्ष, निवासी कुमार बयड़ी, तहसील भगवानपुरा, जिला खरगोन को दिनांक 23.03.2025 को गिरफ्तार कर चोरी की दूसरी तुफान गाड़ी भी बरामद की है।

कुल बरामदगी एवं आरोपी की आपराधिक पृष्ठभूमि-तीनों आरोपियों से कुल 03 चार पहिया वाहन बरामद किए गए, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 16,00,000/- (सोलह लाख रुपए) है। मुख्य आरोपी विशाल राठोड़ एक शातिर वाहन चोर है, जिसके खिलाफ मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में वाहन चोरी के 22 से अधिक मामले दर्ज हैं। यह अपराधी भीकनगांव, सेंधवा, खरगोन, खंडवा, रतलाम, बड़नगर, बुरहानपुर, धरमपुरी, इंदौर, सिरपुर, सिंधखेड़ा, अमलनेर और पाचौरा जैसे कई स्थानों पर चोरी की घटनाओं में संलिप्त रहा है।

पुलिस टीम का सराहनीय योगदान थाना प्रभारी चांदपुर - उनि. दिलीप चंदेल, उनि. पन्नालाल चौहान,सउनि. शामीर खान, सउनि. मनीष कुमार, प्रआर. दिलीप, प्रआर. 385 रामचंद्र खोड़े, प्रआर. 149 दिलीप निनामा, प्रआर. 101 निलेश पाल, आर. विशाल, आर. प्रमोद, आर. 213 धर्मेंद्र, आर. 469 दिनेश पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास ने बताया कि चांदपुर पुलिस टीम के प्रयासों से इस संगठित चार पहिया वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश हुआ, जिससे क्षेत्र में बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगानें में सफलता मिलेगी।

अर्ध रात्रि से ही पुजा के लिए उमड़ा आस्था का जन सेलाब

झाबुआ

झाबुआ- सौभाग्यवती महिलाओं ने परिवार की सुख शांति एवं समृद्धि के लिए किया दशा माता का व्रत मेघनगर के हृदय स्थल दशहरा मैदान पिपलेश्वर महादेव मंदिर सांई मंदिर प्राचीन शंकर मंदिर शिक्षक कलोनी पर सौभाग्यवती महिलाओं ने व्रत और पूजन कर परिवार की सुख शांति एवं समृद्धि के लिए किया आज ही के दिन महिलाएं झाड़ू विशेष कर खरीदती है धार्मिक मान्यताओं के अनुसार झाड़ू में मां लक्ष्मी का वास होता है इसलिए आज के दिन झाड़ू की बिक्री भी काफी मात्रा में होती है

दशा माता का स्वरूप और व्रत का महत्व दशा माता को मां लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। यह व्रत ग्रहों की प्रतिकूल दशा को दूर करने और परिवार की उन्नति के लिए किया जाता है। महिलाएं इस दिन व्रत और पूजन कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करती हैं। माना जाता है कि इस व्रत को एक बार करने के बाद जीवनभर इसे करना चाहिए। इस दिन गले में सूत के धागे की डोरी धारण करने का विशेष महत्व होता है। यह धागा बाधाओं को दूर करने और बिगड़े कार्यों को बनाने में सहायक माना जाता है।

दशा माता कथा राजा नल महारानी दमयंती के साथ सुख पूर्वक रहते थे। रानी दमयंती भगवान विष्णु और मां महालक्ष्मी को चंदन लगाकर मौली बांधकर उनसे राज्य की रक्षा और सुख समृद्धि की प्रार्थना किया करती थी। जो चंदन लगी मौली बचती थी वह उसे अपने गले में धारण कर लेती थी। एक दिन राजा ने क्रोध में आकर रानी के गले से वह धागा तोड़कर फैक दिया। उसके टूटने से राजा का सौभाग्य भी टूट गया और राजा का राजपाट सब खत्म हो गया,राजा निर्धन हो गया । एक दिन राजा को स्वप्न में एक वृद्ध स्त्री दिखाई थी जिसने उन्हें पीपल पूजन कर पीला धागा अर्पित करने की सलाह दी। राजा ने रानी सहित अश्वत्थ पूजन किया एवं चंदन लगी मौली अर्पित करके व्रत किया। इस पूजन के प्रताप से उनको अपना राज्य फिर से प्राप्त हो गया।

जागते रहो ,भारत यात्रा का किया गया भाव भीना स्वागत

झाबुआ

झाबुआ--आज झाबुआ में जागते रहो भारत यात्रा का भाव भीना स्वागत किया गया। गौर तलब हैं की यह यात्रा माउंट आबू से दिनांक 8 मार्च 2024 से महिला सुरक्षा एवं सम्मान के लिए प्रारंभ होकर 20 राज्यों से गुजर कर 7 जून को नई दिल्ली पहुंचेगी । ईसी कड़ी में यह यात्रा शहीद चंद्रशेखर आजाद नगर से होते हुए झाबुआ पहुंची जिसका स्वागत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा किया गया । परिषद द्वारा संचालित सी एम सी एल डी पी क्लास से जितेंद्र यादव हरियाणा , जमुनाबेन अहमद , एवं कृष्ण सिंह बामनिया झाबुआ प्रतिनिधि एवं मीडिया प्रभारी इंसाफ खान का ब्लॉक समन्वयक तोलिया डामोर एवं छात्र-छात्राओं द्वारा स्वागत किया गया । इन लोगों ने अपनी यात्रा के अनुभव सुनाते हुए कहा कि समाज कार्य विद्यार्थियों का सामूहिक लक्ष्य

सबके लिए बेहतर जीवन के अवसर प्रदान करने के लिए काम करना है ,आज महिलाओं के लिए विषम परिस्थितिया उत्पन्न हो रही है जिसमें जागते रहो भारत यात्रा इसे एक मुद्दे के रूप में समाज के सामने अपना ध्यान आकर्षित कर रहा है। इस दौरान समूह चर्चा भी की गई जिसमें सभी ने अपने-अपने विचार रखें।

दोपहर बाद आदिवासी चेतना शिक्षण समिति के सम्मेलन में भी शिरकत की । पश्चात आसरा पारमार्थिक ट्रस्ट द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। गुजरात से आई जमुना बेन ने कहा कि नारी जितनी कोमल है उतनी कठोर भी हो सकती है । इतिहास सावित्रीबाई फुले, रानी लक्ष्मीबाई , अहिल्याबाई होल्कर और अरुणा आसफ अली जैसी वीरांगनाओं का साक्षी है। इस अवसर पर मेंटर प्रकाश मेड़ा ने कहा कि समाज को नारी के सम्मान हेतु आगे आना होगा । आज की युवा पीढ़ी में संस्कारों की कमी है । उन्हें संस्कार वान बनाने के लिए ऐसे आयोजन होना बहुत जरूरी है। यात्रा प्रभारी कृष्ण सिंह बामनिया ने जागते रहो भारत यात्रा के बारे में लोगों को बताया ।

कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन संस्था अध्यक्ष वंदना नागर द्वारा किया गया।

जन अभियान परिषद ने शहीद दिवस एवं साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

शाजापुर आज दिनाँक 23/3/25 को पंडित बाल कृष्ण शर्मा नवीन महाविधालय में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड शाजापुर में शहीद दिवस के अवसर पर शहीद दिवस एवं साइबर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ महा सेनानी है भगत सिंह , राजगुरु और सुखदेव जी के चित्र पर माल्यार्पण ओर दीप प्रचलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नवांकुर संस्था कंचन वेलफेयर सोसाइटी के प्रतिनिधि नवीन वर्मा विशेष अतिथि साइबर क्राइम अधिकारी दिलीप जी जायसवाल, परामर्शदाता उमा बरेठा ,राजेश्री उदासी ,बहादुर सिंह सोलंकी ,महेंद्र वर्मा और सुनील सौराष्ट्रीय रहे। मुख्य वक्ता के रूप में नवीन वर्मा ने शहीदों के इस महान बलिदानों के बारे मे विस्तृत पारीचर्चा करते हुए बताया कि इनका बलिदान हमारे लिए सर्वोच्च है। विशेष अतिथि दिलीप जायसवाल ने बताया कि आज के आधुनिक विकास में जिस प्रकार हम ठगी के शिकार हो रहे है। इतनी शिक्षा के बाद भी हम ठगी के शिकार हैं तो हमे आज शिक्षा के साथ जागरूकता की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बसंत रावत जी ने शहीद दिवस पर उन सभी शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए। आज के समय में हमें हमारे भगत सिंह राजगुरु और सुखदेव सिंह जी जैसे विचारों की आवश्यकता युवा ओ देखी जानी चाहिए। आज का युवा नशे और साइबर ठगी का शिकार हो रहा है । इस लिए आज हमें जागरूकता लानी होगी। कार्यक्रम का सफल संचालन परामर्शदाता महेंद्र वर्मा एवं आभार बहादुर सिंह सोलंकी ने व्यक्त किया।

धरियावद में 82 वर्षीय मुनिश्री पूर्णसागरजी का समाधि मरण

विमान डोल यात्रा निकाल कर आचार्य मुनि संघ सानिध्य में अग्नि संस्कार सम्पन्न

झाबुआ थांदला

जैन जगत ने नम आँखों से मुनिश्री की संयम साधना को किया नमन

धरियावद थांदला। दिन रात मेरे स्वामी, में भावना यह भावु - देहांत के समय मे तुमको न भूल जावू ।मरण समय गुरु पाद मूल हो व्रत संयम पालू - पंडित मरण हो ऐसा अवसर पा जाऊ।।

इन सार गर्भित भावनाओ को बिरले ही भव्य जीव अपने जीवन मे चरितार्थ कर पाते है। आचार्य श्री अजितसागरजी के शिष्य मुनि श्री पुण्यसागर जी से दीक्षित 82 वर्षीय मुनि श्रीपूर्णसागरजी महाराज का आज दिनांक 24 मार्च 2025 को पूर्वाह्न9.40 बजे राजस्थान के धरियावद शहर में समस्त संघ सानिध्य में समाधिमरण हो गया। ब्रह्मचारिणी वीणा दीदी विकास भैया लक्की रमावत ने बताया कि दोपहर 12.10 बजे समाधिस्थ 82 वर्षीय मुनि श्री पूर्णसागरजी का डोला विमान यात्रा आचार्य श्री वर्धमानसागरजी, मुनि श्रीपुण्यसागरजी आदि 52 मुनिसंघ के सानिध्य और हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में निकाला गया। मुनिश्री के डोले के आगे कमंडल लेकर भूमि शुद्धि का व मुनिश्री के डोले को कंधे लगाने का सौभाग्य थांदला निवासी महावीर मेहता व राजेंद्र मेहता एवं परिजनों को प्राप्त हुआ। नियत समाधि स्थल परिसर में पंडित हंसमुखजी के निर्देशन में मंत्रोचार से स्थल शुद्धि की गई ।समाधिस्थ मुनिश्री की पूजन शांतिधारा और पंचामृत अभिषेक गृहस्थ अवस्था के परिजन पुत्र व परिवार द्वारा किया गया। परम पूज्य मुनिश्री की समाधि के कारण संघ के सभी साधुओं ने आज उपवास किया। अग्नि संस्कार के पश्चात उपस्थित आचार्य संघ, आर्यिका माताजी एवं

समस्त समाज ने परिक्रमा देकर अपनी विनियाजंलि प्रस्तुत की। उनके व्यक्तित्व व जीवन की जानकारी देते हुए प्रवक्ता राजेश पंचोलिया (इंदौर) व पवन नाहर (थांदला) ने बताया कि मध्यप्रदेश के झाबुआ ज़िलें की धर्मधरा थांदला के निवासी श्री रतनलाल मेहता ने जीवन के उम्र अनुसार ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ आश्रम के बाद अंतिम समय में संन्यास आश्रम में प्रवेश कर 2 वर्षों से अधिक समय चतुर्थ पट्टधर आचार्य श्री अजितसागरजी के शिष्य ग्रहस्थावस्था के भतीजे मुनि पुण्यसागरजी के पास क्षुल्लक दीक्षा ग्रहण कर रतनलाल से नामकरण पूर्णसागरजी के रूप में रहे फिर 1 वर्ष पूर्व ही दिगम्बर जैन भगवती दीक्षा ग्रहण कर कठोर साधना कर अपना अंतिम मनोरथ सफल किया। आपकी धर्म सहायिका ने भी समस्त आश्रमों का भोग करते हुए आपसे पूर्व ही आर्यिका दीक्षा लेकर पूर्णिमामति माताजी बनकर धर्म प्रभावना करते हुए समाधिस्थ हो चुकी है। अंतिम आराधना में आपने 22 मार्च को समस्त 84 योनियों से क्षमायाचना कर चारों आहार का त्याग कर दिया था वही आचार्य वर्धमानसागरजी व अन्य मुनि भगवन्तों ने कुछ दिन पूर्व आपके केश लोचन भी किया था वही सभी गुरुभगवंतों ने उनके अंतिम आराधना को सफल करने उन्हें व दर्शनार्थ उपस्थित संघजनों को धर्म उपदेश देते रहे। कहते है कि मुनिश्री का मरण महामंत्र नवकार सुनते हुए हुआ ऐसी आत्मा क्षपक श्रेणी में प्रवेश कर कुछ ही भव में मोक्ष को प्राप्त करती है वही उनके दर्शन वंदन करने वाली आत्मा भी समकित को प्राप्त करती है।

धार्मिक विधि विधान पूर्वक अंतिम संस्कार हुए राजस्थान मध्यप्रदेश गुजरात महाराष्ट्र आदि अनेक प्रान्तों के हजारों गुरुभक्तों ने उनके अंतिम दर्शन कर अपना जीवन सफल किया। मुनिश्री को डोल विमान यात्रा चन्द्रप्रभु संत भवन परिसर से रवाना होकर समाधि स्थल पहुँची जहाँ समाधिस्थ मुनि का पूर्ण विधि विधान से धार्मिक संस्कार कर पूजन पंचामृत अभिषेक किया गया।। अग्नि संस्कार पूर्व गृहस्थ अवस्था के पुत्र महावीर, राजेंद्र मेहता एवम् परिजनों द्वारा किया गया। दिगम्बर सहित सकल संघजनों ने मुनिश्री को नम आँखों से विदाई देते हुए उनके शीघ्र मोक्ष की कामना की गई।

शाजापुर आज दिनांक 24/3/25 सोमवार को आदर्श नगर स्थित बी एबल प्रशिक्षण केंद्र पर सेंबक्रॉप प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से बी एबल फाउंडेशन द्वारा सोलर पीवी इंस्टालेशन और मेनेटेंस टेक्नीशियन के प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मंचासिन मुख्य अतिथि सेंबक्रॉप कंपनी की और शशि कुमार, अभिनेष यादव ,निरूबन चक्रवती कार्यक्राम के अध्यक्ष सुनील नाहर वरिष्ठ पत्रकार व शाजापुर प्रेस क्लब संरक्षक विशेष अतिथि सुरेश कुशवाह बी एबल फाउंडेशन , बालेंदु श्रीवास्तव प्राचार्य जिला शिक्षण एवम प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) शाजापुर,नवीन वर्मा अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति शाजापुर । कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवम स्वामी विवेकानंद जी चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ से किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए अभिनेष यादव द्वारा बताया कि यह एक महत्त्वपूर्ण प्रशिक्षण है जो कि भविष्य में सोलर के क्षेत्र में बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। सोलर पावर वर्तमान समय की जरूरत है। डाइट प्राचार्य द्वारा बताया कि सोलर पहले हमारी पहुंच से दूर था अब सूर्य मित्र योजना के माध्यम से घर घर सोलर ऊर्जा से जुड़ेगा ।जिससे आर्थिक लाभ भी होगा और प्राकृति को नुकसान नहीं होगा ।बी एबल फाउंडेशन से सुरेश कुशवाह द्वारा अतिथियों के समक्ष चलाए जा रहे प्रशिक्षण के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नाहर द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित कि और कहा इस प्रकार के प्रशिक्षण प्राप्त करना चाइए भविष्य में भी जुड़े रहना चाइए ।जिससे युवा पीढ़ी को अधिक से अधिक ज्ञान प्राप्त हो। और रोजगार के अधिक से अधिक अवसर मिलते रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को टी-शर्ट और बुक भेंट की।

बलिदान दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

उज्जैन

रविवार को क्रांतिकारी वीर भगत सिंह सुखदेव राजगुरू के बलिदान दिवस पर सागौर नगर में स्वामी विवेकानंद रक्त सेवा समिति के तत्वाधान आयोजक अर्जुन जाट मित्र मंडल की और से रक्तदान का आयोजन रखा गया था। जिसमें नगर के युवाओं मातृशक्ति ने बढ़ चढकर हिस्सा लिया । जिसमें एम .वाय . हॉस्पिटल इंदौर की टीम ने रक्त एकत्रित किया रक्तदान शिविर का हुआ जिसमें सर्वप्रथम मां सरस्वती भगतसिंह राजगुरु सुखदेव को जिसमें जिला अध्यक्ष निलेश भारती, देवी गौड़ पहलवान, अर्जुन, राहुल चौधरी, राजू पंडित, नितिन चौधरी, राहुल चौहान, कपिल वैरागी, अक्षय नागर, नितिन पाटीदार, अतुल तिवारी, धीरेंद्र ठाकुर, संदीप रघुवंशी, सर्वेश गोरपडे, करण ठाकुर डॉ चेतन ठाकरे ने भगत सिंह राजगुरु सुखदेव के चित्र पर माल्यार्पण करके रक्तदान की

शुरुवात की रक्तदान करने आए युवाओं ने कहा कि शहीदों की कुर्बानी को भुलाया नहीं जा सकता, शिविर में 62 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया जिसमें एक मात्र शक्ति ने भी रक्तदान किया और रक्त के प्रति औरों को प्रेरित किया वही स्वामी विवेकानंद रक्त सेवा समिति टीम के सदस्यों ने बताया कि रक्तदान ही महादान है । किसी भी व्यक्ति के रक्तदान करने से कोई हानि नहीं होती है। उनके एक यूनिट ब्लड से किसी को नयी जिंदगी मिल सकती है । इस मौके पर बड़ी संख्या में सागौर नगर एवं आसपास के युवा मौजूद रहे । युवा एवं मातृशक्ति में रक्तदान करने के बाद काफी उत्साह देखने को मिले

वन एंव वन्य - प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ

झाबुआ बैठक में झाबुआ जिले की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें राकेश परमार (थांदला) को जिलाध्यक्ष चुना गया। एवं अन्य पदाधिकारी इस प्रकार रहे।

* श्रीमति सपना चौहान (जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ)

* श्री राकेश बैस, श्री रसीद खान, मोहन हिंगाड (जिला संरक्षक)

* दिनेश मालिवाड (जिला सचिव)

* उपाध्यक्ष - जितेन्द्र सिंह राठौड़ पेटलावद, सुमित्रा डामोर थांदला, नवल भंवर झाबुआ

* तहसील अध्यक्ष - लालसिंह भुरिया, सवेसिंह सेमलिया झाबुआ, राकेश रावत थांदला, प्रेमसिंह चारेल पेटलावद।

* जिला संगठन महामंत्री - श्री इरफान खान

* जिला कोषाध्यक्ष श्री जयसिंह दौहर

* जिला प्रवक्त मनीष डामोर

* जिला मिडिया प्रभारी हेमेंद्र डिंडोर एवं अन्य पदाधिकारी

सरदारपुर के राजस्व अधिकारियों को दिए नोटिस, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने फॉर्मर रजिस्ट्री में पिछड़ने पर जताई नाराजगी

जिला अधिकारियों की बैठक में समय सीमा में प्रकरणों के निराकरण पर जोर

धार ।कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने आज समयावधि के पत्रों की समीक्षा बैठक में फॉर्मर रजिस्ट्री में पिछड़ने वाले सरदारपुर अनुभाग के सभी राजस्व अधिकारियों को नोटिस करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस कार्य पर लापरवाही पर नाराजगी जताई। इसके अलावा जिन भी बीईओ द्वारा जाति प्रमाणपत्र बनाने के कार्य में लापरवाही पूर्ण काम करके पुअर परफार्मेंस दिया है सभी का वेतन रोकने के निर्देश उन्होंने दिए। इसके साथ ही आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य में लापरवाही बरतने वाले सीएचओ के वेतन रोके जाने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए ।बैठक में सीईओ अभिषेक चौधरी, एडीएम अश्विनी कुमार रावत सहित जिला अधिकारीगण उपस्थित थे, जबकि सभी एसडीएम और विकासखंड स्तरीय अधिकारी वर्चुअली जुड़े। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को बार बार दूसरे विभागों में ट्रांसफर करने वाले अधिकारियों से जवाब तलब किया जाए। शिकायतों को फोर्स क्लोज करने के पहले मामले की अच्छे से पड़ताल करवा लें। कोशिश होना चाहिए की समाधान संतुष्टि पूर्वक किया जाए। ग्रीष्म काल में पेयजल की उपलब्धता और अतिरिक्त व्यवस्था के संबंध में कलेक्टर ने सभी एसडीएम से जानकारी ली। कहा जरूरत के मुताबिक पेयजल परिवहन का आंकलन कर लें। छात्रावासों में पानी की व्यवस्था की भी पड़ताल कर लें।

भाटिया ने बेटे की पुण्यतिथि पर किया शीतल पेय का वितरण

कांटाफोड- नगर में स्थानीय गुरुद्वारा साहिब के समीप गांधी चौराहे पर श्री गुरु सिंघसभा के सचिव हरविंदर सिंह जैकी भाटिया एवं भाटिया परिवार द्वारा उनके बेटे स्वर्गीय साहेब भाटिया की तृतीय पुण्यतिथि पर ठंडे छबील शरबत का स्टाल लगाकर वितरित किया गया। राहगीरों द्वारा ठंडे छबील का प्रसाद ग्रहण कर वाहेगुरु नाम का जाप किया। इस दौरान गुरु घर के वजीर ज्ञानी जी द्वारा अरदास की गई। छबील वितरण के दौरान सिक्ख समाजजनो के साथ ही मित्रगण भी उपस्थित रहे। सभी ने नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की।

भाजपा विधायक श्री जैन का पुतला जलाने वाले पार्षद सहित तीन गिरफ्तार

उज्जैन शनिवार को भाजपा विधायक का पुतला जलाने के मामले में रविवार को महाकाल थाना पुलिस ने एक कांग्रेस पार्षद सहित 3 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया और जेल भेज दिया पुलिस ने बताया कि शनिवार को कार्तिक मेला ग्राउंड पर भाजपा विधायक अनिल जैन का पुतला जलाया गया था। रविवार को महाकाल थाना पुलिस ने मामले में कांग्रेस पार्षद छोटू उर्फ छोटेलाल पिता रामसिंह मंडलोई निवासी बंजारा बस्ती रणजीत हनुमान मंदिर के पास, सतीश पिता प्रहलाद मीणा निवासी कमल कालोनी, गणेश उर्फ शेरू पिता छगनलाल चौहान निवासी कमल कालोनी सहित 5 आरोपियों और उनके साथियों के खिलाफ धारा 191-2, 189-2, 189-3, 189-5 और 287 के तहत केस दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि मामले में पार्षद मंडलोई, सतीश मीणा और भूरू चौहान को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। अन्य की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि जिन तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया उनके खिलाफ पूर्व से अलग अलग थानों में आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

5 किलो 688 ग्राम अवैध अफीम के साथ एमपी के दो तस्कर गिरफ्तार

एमपी बॉर्डर जलिया चैक पोस्ट पर बाईक के साथ दो तस्कर नीमच जिले के पकड़ाए आरोपी

शंभूपुरा चित्तौड़गढ़- जिले की कोतवाली निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने रविवार को एमपी राजस्थान बॉर्डर की जलिया चैक पोस्ट पर नाकाबंदी के दौरान एक बाईक पर सवार दो व्यक्तियों के कब्जे से 5 किलो 688 ग्राम अवैध अफीम जब्त कर एमपी के निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम व धरपकड़ कार्यवाही के तहत अधिकाधिक कार्यवाही हेतू एएसपी चित्तौड़गढ़ सरिता सिंह के निर्देशन एंव डीएसपी निम्बाहेड़ा बद्रीलाल राव व थानाधिकारी कोतवाली निम्बाहेड़ा राम सुमेर पु नि के सुपर विजन में रविवार को थाना इंचार्ज कन्हैया लाल उप निरीक्षक व पुलिस जाप्ता हैड कानि. हरविन्दर सिंह, कानि. रणजीत, राकेश,, विजयसिंह, रामकेश, विरेन्द्र सिह व सरियाराम के नीमच-चित्तौड़गढ़ हाईवे रोड जलिया चेक पोस्ट पर नाकाबंदी की जा रही थी। नाकाबंदी के दौराने नीमच की तरफ से एक मोटर साईकिल आई जिसको रूकवाने का प्रयास किया गया तो मोटर साईकिल के चालक ने मोटर साईकिल को वापस मोड पर भगा ले जाने का प्रयास किया, जिसको बड़ी मुश्किल से घेरा देकर रूकवाया जाकर उनके कब्जे शुदा बैग की तलाशी ली गई तो बैग मे से 06 पारदर्शी प्लास्टिक की थैलियो मे भरी अवैध अफीम का कुल वजन 5 किलो 688 ग्राम हुआ। उक्त अवैध अफीम व मोटर साईकिल को जब्त कर दोनों आरोपियों एमपी के नीमच जिले के बोरदिया खुर्द थाना नीमच सीटी 20 वर्षीय अरूण सिह पुत्र विक्रम सिह व 46 वर्षीय जीवन सिह पुत्र ईश्वर सिह सोधिया राजपुत को गिरफतार किया जाकर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

घर में घुसकर 12 साल की बच्ची का गला काटा-नाक-कान के गहने ले गए लुटेरे; खून से लथपथ शव देख बेसुध हुई मां

शंभूपुरा बांसवाड़ा - घर में घुसे लुटेरों ने 12 साल की लड़की का गला काटकर हत्या कर दी। लुटेरों ने पूरा घर खंगाला, लेकिन उनको कुछ भी नहीं मिला। इसके बाद लुटेरे लड़की के नाक-कान में पहने गहने लेकर फरार हो गए। परिजन खेत से लौटकर आए तो लड़की का शव रसोई में खून से लथपथ मिला। बेटी का शव देखकर मां बेसुध हो गई और घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से सबूत जुटाए। मामला लोहारिया थाना इलाके के पालोदा कस्बे का है। खेत पर गए थे परिजन, घर पर अकेली थी लड़की जानकारी के अनुसार, लालजी पाटीदार का अपनी पत्नी और 2 बेटियों और 1 बेटे के साथ रविवार सुबह 5 बजे खेत पर गए थे। इस दौरान उनकी बेटी जाह्नवी (12) घर पर अकेली थी। सुबह करीब 9 से 10 बजे के बीच कुछ लुटेरे घर में घुसे और लड़की की गला काटकर हत्या कर दी। लुटेरों ने पूरा घर खंगाला, लेकिन घर में कुछ नहीं मिला। इसके बाद लुटेरे लड़की के नाक-कान में पहने गहने लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। ष्ठस्क्क सुदर्शन पालीवाल भी मौके पर पहुंचे और फोरेंसिक टीम के साथ ही परिजनों से बात की। पुलिस ने चित्तौड़गढ़ से डॉग स्क्वॉड भी बुलाया।

रसोई में पड़ी थी लाश, नाक-कान के गहने थे गायब लड़की की बड़ी बहन कृष्णा पाटीदार ने बताया- सुबह घर के सभी लोग सुबह खेत पर गए थे। मेरा छोटा भाई (5) और चौथी क्लास में पढ़ने वाली छोटी बहन जाह्नवी (12) घर पर थे। मां सुबह 7 बजे खेत से घर लौटकर आई और खाना बनाकर वापस खेत पर आ गई। कृष्णा ने बताया- आते समय छोटा भाई रोने लगा तो मां उसे साथ लेकर आ गई। जाह्नवी घर पर अकेली थी। सुबह 10.30 बजे हम घर लौटे तो जाह्नवी को आवाज दी, लेकिन उसका जवाब नहीं आया। रसोई में जाकर देखा तो फर्श पर खून से लथपथ हालत में उसका शव पड़ा था। उसके कान और नाक के गहने गायब थे। बड़ी बहन ने बताया- ऊपर के कमरे में जाकर देखा तो वहां बक्सा खुला पड़ा था। घर से कोई अन्य सामान चोरी नहीं हुआ। जाह्नवी को खून से लथपथ हालत में देखकर मां बेसुध हो गई।

लड़कियों ने किया प्रदर्शन-नारेबाजी परिजनों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। दिनदहाड़े हुई इस घटना के विरोध में कस्बे का बाजार बंद कर दिया गया। इलाके के लोगों के साथ लड़कियों ने हंगामा किया और पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। महिला पुलिस को लड़कियों को संभालने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। बाद में पुलिस ने लड़कियों को पुलिस वाहन में बैठा दिया। लड़कियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने हमें डंडे मारे। एक लड़की ने कहा- हम न्याय मांग रहे हैं, पुलिस ने हमें कैसे पकड़ा। हम गलत के लिए नहीं लड़ रहे हैं। हमें न्याय चाहिए। उधर, परिजनों और लोगों को शव को उठाने नहीं दिया। लोगों ने मौके पर ही पोस्टमॉर्टम करवाने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। काफी हंगामे के बाद परिजन शाम करीब 5.15 बजे पोस्टमॉर्टम के लिए तैयार हुए। इसके बाद शव को घटनास्थल से उठाकर बांसवाड़ा के एमजी हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी पहुंचाया गया।

विधायक कैलाश मीणा को घेरा, नारेबाजी की शव को पोस्टमॉर्टम रवाना किए जाने के बाद विधायक कैलाश मीणा मौके पर पहुंचे। उन्हें घेरकर लोगों ने नारेबाजी शुरू कर दी। लोगों ने बताया कि हाईवे पर प्रदर्शन के दौरान पुलिस कुछ लड़कियों को वैन में डालकर थाने ले गई। लोगों के कहने पर विधायक ने थाने में कॉल किया। पुलिस ने बताया कि कोई गिरफ्तारी नहीं की गई है। इस मुद्दे को लेकर लोग आक्रोशित हो गए। विधायक के घेराव कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और विधायक को सुरक्षित बाहर निकाला। शाम 6.30 बजे ये मामला शांत हुआ।

एसपी बोले- सभी पहलुओं को ध्यान में रख जांच कर रहे हैं बांसवाड़ा एसपी हर्षवर्धन अगरवाला ने कहा- पालोदा कस्बे में नाबालिग बच्ची के गले पर शार्प वैपन से वार कर मर्डर किया गया है। टीमों ने सबूत जुटाए हैं। मामले की सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। लुटेरे थे, आसपास का कोई और था या फिर और दूसरा मामला है।

एसपी बोले- मैंने खुद मौका देखा। लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। लोगों को समझाया कि लड़की का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम कराएंगे। समय रहते पोस्टमॉर्टम होने से आगे की जांच और अनुसंधान पर जल्द काम कर पाएंगे।

खरगोन पुलिस ने अवैध गौवंश तस्कर के विरुद्ध की कार्यवाही

थाना गोगावा पर की गई कार्यवाही मे कुल 03 गौवंश को पुलिस ने मुक्त कराकर एक आरोपी को गिरफ्तार किया

उच्च कार्यालय से प्राप्त निर्देशो के परिपालन मे पुलिस अधीक्षक खरगोन धर्मराज मीना व अति. पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्रीमति शकुंतला रुहल एवं अति. पुलिस अधीक्षक मनोहरसिंह बारीया के द्वारा जिला खरगोन के समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व समस्त थाना प्रभारियो को अवैध गौ वंश तस्करी पर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया है । इसी तारतम्य में थाना गोगावा पर अवैध गौवंश तस्कर के विरूद्ध कार्यवाही की गई है ।दिनांक 23.03.25 को थाना गोगावा पर मुखबिर की सूचना पर, एक पीकअप वाहन जिसमे क्रूरतापूर्वक अवैध गौवंश भरा था को घेराबंदी कर रोका । रोके गए पीकअप वाहन को चेक करने पर उसमे क्रूरतापूर्वक गौवंश भरा होना पाया गया । पुलिस टीम ने रोके गए पिकअप वाहन मे बैठे व्यक्ति का नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम ईश्वर पिता डोंगरसिग कछवाहे निवासी रेटवा का होना बताया । ईश्वर से गौवंश परिवहन करने के संबंध मे दस्तावेज आदि मांगने पर कोई दस्तावेज नहीं होना बताया । पुलिस टीम ने आरोपी ईश्वर के कब्जे से पिकअप वाहन क्रमांक स्क्क10त्त0941 को जप्त कर उसमे क्रूरतापूर्वक भरे हुए कुल 03 गौवंशों को मुक्त कराया गया है व पिकअप वाहन को नियमानुसार विधिवत जप्त कर थाना गोगावा पर अपराध क्रमांक 129/25 धारा- 4,6,9 म.प्र.गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम व 11 (घ) पशु क्ररुता अधिनियम का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया है । पुलिस द्वारा कुल 03 गौवंश कीमती 1,20,000/- रुपए व 01 पिकअप लगभग 2,50,000/- रुपये कीमत की जप्त की है ।

पुलिस टीम उक्त की गई कार्यवाही मे अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग भीकनगाँव राकेश आर्य के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी गोगावा निरीक्षक दिनेश सोलंकी के नेतृत्व मे सउनि निसार खान , आर दिनेश मंडलोई व थाने के अन्य स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

दशामाता का पूजन कर की सुख-समृद्धि की कामना

पिपलौदा । चैत्र कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि को दशा माता का पर्व परंपरागत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। नगर के पुराना बस स्टैंड के समीप माता मंदिर, माँ महिषासुर मर्दिनी मंदिर प्रांगण, नई आबादी स्थित शीतला माता मंदिर आदि स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से विधि-विधान से दशा माता की पूजा अर्चना की और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। प्रात: से ही महिलाएं पारंपरिक परिधान में सज-धजकर पीपल वृक्ष के नीचे एकत्र हुईं और पीपल वृक्ष की दस बार परिक्रमा की और कच्चे सूत का धागा लपेटकर पूजन किया। महिलाओं ने पीपल के वृक्ष पर कुमकुम, हल्दी और मेहंदी अर्पित की साथ ही चुनरी ओढ़ाकर आटे व हल्दी से बनी सोलह श्रृंगार की सामग्री भेंट की और दशा माता से परिवार की सुख समृद्धि की कामना की इस दौरान महिलाओं ने गले में शुभता का प्रतीक धागा पहना और नल-दमयंती की कथा का श्रवण किया।

सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 अंतर्गत

परियोजना स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का शुभारंभ

पिपलौदा। भारत सरकार की योजना अनुसार 0 से 3 वर्ष के बच्चों में प्रारंभिक बाल्यावस्था उद्दीपन एवं 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिये प्रारभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा के सुदृढ़ीकरण हेतु सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 अंतर्गत पोषण भी पढ़ाई भी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत परियोजना स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का शुभारंभ जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में हुआ। जिला कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा के मार्गदर्शन में परियोजना में कुल 200 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। सहायक संचालक एवं प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती विनिता लोढ़ा ने बताया कि डाईट के प्रथम तल के प्रशिक्षण कक्ष में प्रथम सत्र का आयोजन दिनांक 24 से 26 मार्च व द्वितीय सत्र 26 से 28 मार्च तक होगा। प्रत्येक बेच में 100 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ को प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस मास्टर ट्रेनर श्रीमती विनिता लोढ़ा एवं भारती सोनी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में आडियो विडियों एवं ग्रुप्र गतिविधियों भी की गई। पर्यवेक्षक श्रीमती सरोज पुरोहित, कंचन तिवारी, सुनीता नरेश, ब्लॉक कोआर्डिनेटर राहुल बोस एवं आपरेटर प्रहलाद का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में व्याख्याता अल्का आचार्य द्वारा गतिविधियों के बारे विस्तार से बताया गया।

क्या है कार्यक्रम का उद्देश्य श्रीमती लोढा ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उपदेश्य क्षमता संवर्धन के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ में ईसीसीई पाठ्यक्रम और शैक्षणिक दृष्टिकोण की बुनियादी समझ विकसित करने के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विकास के आयामों (शारीरिक और मोटर संज्ञानात्मक, सामाजिक, भावनात्मक, नैतिक सांस्कृतिक, कलात्मक और बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता) के मुल्यांकन में क्षमता वृद्धि कर सक्षम बनाना है। भारत सरकार महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा 3-6 वर्ष के बच्चों के लिए ईसीसीई हेतु नेशनल करीकुलम (आधारशिला) एवं 0 से 3 वर्ष के बच्चों के लिये प्रारभिक बाल्यावस्था उद्दीपन के लिये नेशनल फ्रेमवर्क (नवचेतना) तैयार किये गये हैं। पोषण भी पढ़ाई भी अन्तर्गत नवचेतना एवं आधारशिला को आंगनवाड़ी केन्द्र में क्रियान्वित करने के सम्बन्ध में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

हम नाहर बन्धु संघठित रहे,सबको साथ रहकर सभी के लिए सार्थकता से आगे बढ़ने के अवसरों पर कार्य करना है,राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश पी नाहर नियुक्त

अखिल भारतीय नाहर जैन बन्धु महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की शपथ सम्पन्न

उज्जैन अखिल भारतीय नाहर जैन बन्धु महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी गठित, हुई शपथ

देश भर के नाहर बन्धुओ की उपस्थिति में अभुदय जैन तीर्थ उज्जैन में आ.भा. नाहर बंधु जैन महासंघ, की राष्ट्रीय एवं मध्य प्रदेश की कार्यकारिणी का शपत विधि समारोह सम्पन्न हुआ।

अखिल भारतीय नाहर बन्धु जैन महासंघ के महामंत्री डॉ अमित नाहर ने जानकारी देते बताया कि मप्र के नाहर बन्धुओ द्वाराउज्जैन मेंआयोजित कार्यक्रम बहुत ही सुंदर और सफल रहा।

अखिल भारतीय नाहर बंधू जैन महासंघ (नागौर) की नई कार्यकारणी गठन हेतू बैठकआयोजित हुई जिसमें सम्पूर्ण भारत वर्ष के अलग ङ्कअलग क्षेत्र से अपने प्रतिनिधि उपस्थित रहे, दिल्ली, जम्मू, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और अन्य क्षेत्र से नाहर बन्धु उपस्थित रहे वही कुछ क्षेत्रों से सदस्य ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।, इस बैठक में राजेशजी पी नाहर, पुणे राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में संपूर्ण भारत की कार्यकारिणी का गठन सर्वानुमति से किया गया।

सभी के अभिनंदन परिचय के साथ शपथ विधि का कार्यक्रम भी संपन्न हुआ।अखिल भारतीय नाहर जैन बन्धु महासंघ की गतिविधियों को गति प्रदान करने हेतु विभिन्न क्षेत्रों से आये नाहर बन्धुओ ने 18 लाख से अधिक राशि दिए जाने की घोषणा की

संघ के महामंत्री डॉ अमित नाहर ने सभी की बैठक मेंउपस्थिति हेतु आभार व्यक्त करते हुए मप्र नाहर बन्धु संघ को उज्जैन में हुए इस सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि हमें विश्वास है कि राजेश पी नाहर पुणे की अध्यक्षता में हमारा संगठन मजबुती सें आगे बढ़ेगा।

संघ को चलाने के लिए दान राशि घोषित की गई है। हम उन सभी दान-

दाता का आभार प्रकट किया अखिल भारतिय नाहर जैन बंधु महासंघ के प्रचार मंत्री मनोज डी नाहर,नागौर एवं राजेश नाहर खेतिया ने बताया कि अखिल भारतीय नहर जैन बंधु महासंघ 2012 से सक्रियता से अपना काम कर रहा है। राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाहर बन्धु इस संघ से जुड़े है,अपने गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जा रही है । आज संपन्न हुई बैठक के बाद आयोजित शपथ विधि समारोह में उपस्थित पदाधिकारी ने हिस्सा लिया समारोह के साथ शपथ विधि के साथ उपस्थित नाहर बंधुओ ने नाहर गोत्र के बन्धुओ के उत्थान और विकास के लिए अपना संकल्प दोहराया राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश पी नहर पुणे द्वारा बगैर किसी भेदभाव के सभी को साथ लेकर चलने की बात कही,सभी के आज संघ की गतिविधियों के लिए नाहर बन्धुओ द्वारा दान की भी घोषणा की गई। नाहरबंधु संपूर्ण भारत में अपने कार्यो को लेकर विशिष्टता रखते हैं अनेक नाहर बंधू विदेश में भी बसे हैं जो अखिल भारतीय नाहर बंधु महासंघ में शामिल है आज हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी के साथ अतियासन नागौर स्थित मां कुलदेवी भवानी माता जी के ट्रस्ट हेतु मध्य प्रदेश से,एडवोकेट संजय नहार उज्जैन ,सतीश जी नाहर,रतलाम राजेश नाहर भवानी मंडी,आजीवन ट्रस्टी बनने हेतु सहमति देते हुए माँ भवानी माताजी ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश पी नाहर महामंत्री अजय नाहर को आजीवन ट्रस्टी बनने हेतु अपनी सहमति वह राशि प्रदान की। नाहरबंधु जैन महासंघ संपूर्ण भारत में नाहर बन्धुओ के लिए अपना कार्य करता है वही मां भवानी माता जी ट्रस्ट अतियासन नागौर द्वारा नाहर कुलदेवी भवानी माता जी के मंदिर पर नियमित रूप से अपनी गतिविधियां संचालित की जा रही है। नाहर बंधु जैन महासंघ और नाहर भवानी माता जी ट्रस्ट दोनों ही अलग-अलग रहकर अपना कार्य कर रहे हैं । संस्थापक अध्यक्षश्री सायर चन्दजी नाहर चेन्नई के साथ आज गठित हुई कार्यकारिणी राजेश पी नाहर पूना राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ अमित नाहर, दहानू महामंत्री, तोलचन्द नाहर कार्यकारी अध्यक्ष व सुभाष नाहर पूना कोषाध्यक्ष व संजय नाहर सह कोषाध्यक्ष नियुक्त किये गए,वही राष्ट्रीय कार्यकारिणी में वीरेंद्र नाहर वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुभाष नाहर संभाजीनगर महाराष्ट्र गुजरात के प्रभार के साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व विभिन्न झोंन पूर्वी ,पश्चिमी,मध्य,उत्तरी व दक्षिणी बनाये है जिनसे प्रभार के साथ उपाध्यक्ष मनोनीत किये गए,दिल्ली पंजाब जम्मू सहित उत्तरी क्षेत्र हेतु प्रदीप नाहर अध्यक्ष, अभिनन्दन नाहर उपाध्यक्ष, अशोक नाहर किशन नाहर मंत्री,

कर्नाटक तमिलनाडु राजस्थान अरुण नाहर अध्यक्ष, उमेश नाहर उपाध्यक्ष,मध्य क्षेत्र से राजेश नाहर धार अध्यक्ष, अनिल नाहर नागदा महामंत्री बनाये गए, गुजरात झोंन से मदनलाल नाहर अध्यक्ष बनाए गए ,नाहर बन्धुमहासंघ की महिला शाखा हेतु श्रीमती सुशीला नाहर धमतरी छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय अध्यक्ष व श्रीमती मोनिका नाहर उदयपुर को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, युवा शाखा हेतु पल्लव नाहर इन्दोर को राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया,अखिल भारतीय नाहर जैन बन्धु महासंघ की कार्यकारिणी में देश भर का विभिन्न स्थानों के 80 नाहर बन्धु शामिल किए गए शेष कार्यकारणी के गठन हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश पी नाहर को अधिकृत किया गया

कुणाल कामरा: सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर साझा किए गए बयान में कहा, मैं माफी नहीं मांगूंगा...

नेशनल डेस्क. 'स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने कहा है कि वह महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बारे में अपनी विवादास्पद टिप्पणियों के लिए माफी नहीं मांगेंगे। इसके साथ ही उन्होंने मुंबई में उस स्थान पर तोड़फोड़ किए जाने की आलोचना की, जहां 'कॉमेडी शो रिकॉर्ड किया गया था। शिवसेना कार्यकर्ताओं ने रविवार को मुंबई में खार क्षेत्र स्थित 'हैबिटेट कॉमेडी क्लब में कथित रूप से तोड़फोड़ की थी, जहां कामरा का कार्यक्रम शूट किया गया था। इस कार्यक्रम में उन्होंने शिंदे पर ''गद्दार शब्द के जरिये कटाक्ष किया था। बड़ी संख्या में शिवसेना कार्यकर्ता रविवार रात 'होटल यूनिकॉन्टिनेंटल के बाहर एकत्र हुए जहां संबंधित क्लब स्थित है। उन्होंने क्लब और होटल परिसर में तोड़फोड़ की। 'हैबिटैट क्लब वही स्थान है जहां विवादास्पद 'इंडियाज गॉट लैटेंट शो को शूट किया गया था। शिंदे द्वारा वर्ष 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत किए जाने का जिक्र करते हुए कामरा ने अपने शो में फिल्म 'दिल तो पागल है के एक गीत का संशोधित संस्करण गाया था।

कामरा ने सोमवार देर रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर साझा किए गए बयान में कहा कि जो लोग सोशल मीडिया पर उनका नंबर लीक करने में व्यस्त हैं या उन्हें लगातार फोन कर रहे हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि सभी अज्ञात फोन कॉल उनके वॉयसमेल पर जा रही हैं और उन्हें ''वही गाना सुनाई देगा जिससे वे नफरत करते हैं। कामरा ने लिखा, ''मैं माफी नहीं मांगूंगा... मैं इस भीड़ से नहीं डरता और मैं अपने बिस्तर के नीचे छिपकर इसके शांत होने का इंतजार नहीं करूंगा। उन्होंने कहा, ''मैंने जो कहा, वह बिलकुल वैसा ही है जैसा कि अजित पवार (उपमुख्यमंत्री) ने एकनाथ शिंदे (उपमुख्यमंत्री) के बारे में कहा था। उनके कॉमेडी शो की क्लिप और इससे उत्पन्न राजनीतिक विवाद सोमवार को सुर्खियों में बना रहा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कामरा को अपनी ''निचले दर्जे की कॉमेडी के लिए माफी मांगनी चाहिए जबकि विपक्षी नेता उद्धव ठाकरे ने कहा कि 'कॉमेडियन ने कुछ भी गलत नहीं कहा। कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने भी कामरा का समर्थन किया। कामरा ने कहा कि आयोजन स्थल पर की गई तोड़फोड़ ''बेवकूफी है और यह ऐसा है कि मानो किसी ने टमाटर ले जा रहे ट्रक को इसलिए पलट दिया क्योंकि उसे परोसा गया 'बटर चिकन पसंद नहीं आया। कामरा ने कहा, ''उस भीड़ के लिए संदेश जिसने यह तय किया कि 'हैबिटेट को नहीं होना चाहिए- कोई मनोरंजन स्थल केवल एक मंच होता है। यह सभी प्रकार के कार्यक्रमों के लिए एक स्थल होता है। मेरी 'कॉमेडी के लिए 'हैबिटेट (या कोई अन्य स्थल) जिम्मेदार नहीं है और मैं क्या कहता हूं या करता हूं, उस पर न तो किसी का नियंत्रण है और न ही किसी के पास यह ताकत है। न ही किसी राजनीतिक दल के पास यह ताकत है। 'कॉमेडियन ने ''उन्हें सबक सिखाने की धमकी देने वाले नेताओं की निंदा करते हुए भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अपने अधिकार के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ''किसी शक्तिशाली सार्वजनिक व्यक्ति पर किया गया मजाक सहने में आपकी असमर्थता मेरे अधिकार की प्रकृति को नहीं बदलती। जहां तक मुझे पता है, हमारे नेताओं और हमारी राजनीतिक व्यवस्था के सर्कस का मज़ाक उड़ाना कानून के विरुद्ध नहीं है। हालांकि, मैं अपने खिलाफ किसी भी वैध कार्रवाई के लिए पुलिस और अदालतों के साथ सहयोग करने को तैयार हूं।

कामरा ने कहा, ''लेकिन क्या कानून उन लोगों के खिलाफ भी निष्पक्ष और समान रूप से लागू किया जाएगा जिन्होंने यह तय किया है कि मजाक से आहत होने पर तोड़फोड़ करना उचित प्रतिक्रिया है? कामरा ने खार इलाके में जिस स्टूडियो में यह कार्यक्रम किया था, उसका बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अधिकारियों ने दौरा किया। 'हैबिटेट स्टूडियो और 'यूनिकॉन्टिनेंटल होटल में रविवार देर रात शिवसेना कार्यकर्ताओं द्वारा तोड़फोड़ किए जाने के एक दिन बाद बीएमसी ने यह दौरा किया। बीएमसी के एक अधिकारी ने कहा, बेसमेंट की संरचना को अब तक ध्वस्त नहीं किया गया है। हमने उस बेसमेंट का माप लिया है, जहां स्टूडियो बनाया गया था। हमने होटल के खुले स्थान में एक अस्थायी संरचना को तोड़ दिया है।

अमेरिकी दबाव के बीच भारत चीन व्यापार संबंधों में नरमी

गैर-व्यापारिक बाधाओं को कम करने पर विचार

इंटरनेशन डेस्क. भारत और अमेरिका के बीच व्यापार तनाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में, भारत अब गैर-व्यापारिक बाधाओं को कम करने और चीनी एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) में ढील देने पर विचार कर रहा है। अमेरिका द्वारा लगातार टैरिफ़ बढ़ाने के चलते भारत अपने व्यापार संबंधों को संतुलित करने के लिए नए विकल्प तलाश रहा है। भारत और चीन के बीच व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में, भारत सरकार अब बीजिंग से निवेश को अनुमति देने पर विचार कर रही है। 2020 में गलवान घाटी संघर्ष के बाद कई प्रतिबंध लगाए गए थे, लेकिन अब इन प्रतिबंधों में ढील देने की चर्चा हो रही है।

सूत्रों के अनुसार, चीनी कंपनियों के निवेश के लिए मंजूरी की प्रक्रिया को सरल बनाया जा सकता है। अब तक, भारत की नीति थी कि किसी भी पड़ोसी देश से निवेश के लिए सरकार की मंजूरी आवश्यक होगी। लेकिन इस नीति में बदलाव संभव है, जिससे व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिल सके।

चीनी उत्पादों पर लग सकती हैं कम बाधाएं

व्यापारिक उद्योग की मांगों को देखते हुए, कुछ चीनी उत्पादों पर गैर-टैरिफ़ बाधाओं को हटाने की संभावना है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी उत्पाद और अन्य सामान शामिल हो सकते हैं। बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो) प्रमाणन को अनिवार्य करने की योजना भी बनाई जा रही है, जिससे चीन से आने वाले उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

चीनी कर्मियों के वीज़ा पर रुख में नरमी

भारत सरकार अब चीनी कर्मियों को वीज़ा देने में कुछ ढील देने पर विचार कर रही है। खासकर वे चीनी इंजीनियर और तकनीशियन जो भारतीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में काम कर रहे हैं, उनके लिए वीज़ा प्रक्रिया को आसान बनाया जा सकता है।

अमेरिका को संकेत देना चाहता है भारत

भारत के इस कदम को अमेरिका के लिए एक संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ़ दबाव के बीच, भारत यह दिखाना चाहता है कि वह चीन के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत कर सकता है। इससे अमेरिका पर दबाव बनेगा कि वह भारत के साथ टैरिफ़ को लेकर नए सिरे से बातचीत करे।

चीन के लिए भी अहम है भारत

चीन भी भारत के साथ व्यापार बढ़ाने में रुचि दिखा रहा है। हाल के वर्षों में चीन ने भारत में निवेश बढ़ाने की इच्छा जाहिर की है। हालांकि, अब तक चीन भारत में एफडीआई के मामले में 22वें स्थान पर रहा है। लेकिन बढ़ते व्यापार घाटे को देखते हुए, बीजिंग चाहता है कि भारतीय बाजार में उसकी कंपनियों को अधिक अवसर मिले।

भारत-चीन व्यापार- आंकड़ों की जुबानी

वित्त वर्ष 2024 में भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 118.40 अरब डॉलर का रहा।

चीन, अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया।

भारत ने चीन से 101.74 अरब डॉलर का आयात किया, जो कुल आयात का 15त्न है।

2023 में भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 83 अरब डॉलर से अधिक हो गया।

भारत के लिए बड़ी चुनौती

भारत और चीन के बीच व्यापार संतुलन भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। भारत मुख्य रूप से प्राथमिक वस्तुओं का निर्यात करता है, जबकि चीन के उच्च मूल्य वाले उत्पादों का आयात करता है। इसके अलावा, फार्मास्यूटिकल्स, आईटी और कृषि उत्पादों के निर्यात पर कई तरह की पाबंदियां भी हैं, जिससे व्यापार असंतुलन और बढ़ रहा है।

सरकार का आगे का रोडमैप

गैर-टैरिफ़ बाधाओं को हटाने पर विचार - कुछ उत्पादों के आयात पर लगे प्रतिबंध हटाए जा सकते हैं।

चीनी कर्मियों के वीज़ा में ढील - भारतीय कंपनियों में काम करने वाले चीनी कर्मियों के लिए वीज़ा नीति को सरल बनाया जाएगा।

एफडीआई पर नए नियम - चीन से आने वाले निवेश के लिए मंजूरी की प्रक्रिया को सरल किया जा सकता है।

अमेरिका को संतुलित करने की रणनीति - चीन के साथ व्यापारिक संबंधों को सामान्य करने से अमेरिका पर दबाव बनाया जा सकता है।

भारत में बसा महंगाई से परेशान अमेरिकी नागरिक, खड़े कर डाले 2 बिजनेस

नेशनल डेस्क. गोवा में रह रहे एक अमेरिकी नागरिक एलियट रोसेनबर्ग ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी जीवन यात्रा शेयर की है, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे 9 साल पहले भारत में बसने का उनका साहसिक फैसला उनकी जिंदगी को बदलकर रख दिया।

भारत में जीवन बेहतर

एलियट ने अपनी पोस्ट में खुलासा किया कि अमेरिका में बढ़ती महंगाई और जीवनशैली में अनावश्यक खर्चों के दबाव से परेशान होकर उन्होंने भारत में बसने का निर्णय लिया। उनका कहना है कि भारत में रहने के बाद उनकी जिंदगी अब कहीं अधिक खुशहाल और संतुष्टिपूर्ण है। वे गोवा में अपने परिवार के साथ रहते हैं, जहां उनकी जिंदगी अमेरिका की तुलना में बहुत कम खर्च में आरामदायक और सुखमय है।

एलियट ने बताया कि उन्होंने 12 साल पहले ब्राजील की यात्रा की थी, जिसके बाद वे एशिया गए और 15 महीनों में 17 देशों का दौरा किया। दक्षिण-पूर्व एशिया में रहने का अनुभव उनके लिए काफी सस्ता और अच्छा रहा। इसके बाद उनकी यात्रा उन्हें भारत तक लेकर आई, जहां उन्होंने 9 साल से अधिक समय बिताया है।

भारत में नए रिश्ते और सफलता

भारत में रहकर एलियट ने अपनी पत्नी से मुलाकात की, हिंदी सीखी और यहां जीवनभर के दोस्त बनाए। इसके अलावा उन्होंने दो बिजनेस भी शुरू किए, जिनमें वह अमेरिकी ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करते हैं।

एलियट की कहानी इस बात का प्रमाण है कि सही स्थान पर बसने और जीवन में नए अनुभवों को अपनाने से व्यक्ति को न केवल व्यक्तिगत संतुष्टि मिल सकती है, बल्कि उसकी जिंदगी भी बेहतर हो सकती है।

एक ही दिन में दो शादी: युवक ने सुबह प्रेमिका से की कोर्ट मैरिज, रात में परिवार की पसंद की लड़की से की शादी

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले से एक अजीब और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसके बारे में जानकर हर कोई हैरान रह गया। जहां हरपुर बुदहट इलाके में एक युवक ने एक ही दिन में 2 अलग-अलग लड़कियों से शादी कर ली। सुबह पहले उसने अपनी प्रेमिका के साथ कोर्ट मैरिज की, और फिर रात में अपने परिवार की पसंद की लड़की से भी शादी कर ली। जब प्रेमिका को इस धोखे का पता चला, तो वह युवक के घर पहुंची, लेकिन उसे वहां से भगा दिया गया। इसके बाद उसने पुलिस से मदद की अपील की।

जानिए, क्या है पूरा मामला?

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, प्रेमिका ने बताया कि उसकी मुलाकात युवक से 4 साल पहले हुई थी, और धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती और नजदीकियां बढ़ गईं। इसके बाद, दोनों ने पहले मंदिर में शादी की और फिर लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। प्रेमिका के मुताबिक, इस दौरान युवक ने 2 बार उसका गर्भपात भी कराया। जब युवक के परिवार ने उसकी शादी किसी और से तय कर दी, तो प्रेमिका को शक हुआ और उसने युवक से इस बारे में बात की। युवक ने उसे यह बहाना दिया कि अगर वे कोर्ट मैरिज कर लेंगे, तो परिवार वाले मजबूरी में उनकी शादी स्वीकार कर लेंगे। जिस दिन, जब युवक के परिवार ने दूसरी शादी तय की थी, उसी दिन युवक ने प्रेमिका के साथ कोर्ट मैरिज की। हालांकि उसी तारीख को रात में युवक ने अपने परिवार की पसंद की लड़की से भी शादी कर ली।

युवक ने एक ही दिन में 2 लड़कियों से की शादी

बताया जा रहा है कि जब प्रेमिका को इस बारे में पता चला, तो वह तुरंत युवक के घर पहुंची, लेकिन युवक के परिवार वालों ने उसे अपमानित करते हुए घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद, दुखी प्रेमिका ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। वहीं गोरखपुर के एसपी नॉर्थ, जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि शिकायत प्राप्त हुई है। युवक को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वह फरार हो गया है। उसके परिवार वाले भी गायब हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है, और एसपी ने यह भी भरोसा दिलाया है कि जो भी इस मामले में दोषी होगा, उसे सजा मिलेगी।

न्यूजीलैंड में पिछले 24 घंटों में 8 बार लगे भूकंप के तेज झटके, 6.5 की तीव्रता, लोगों में डर का माहौल

नेशनल डेस्क. न्यूजीलैंड में आज सुबह एक शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.5 मापी गई।

यह भूकंप न्यूजीलैंड के दक्षिण द्वीप के पश्चिमी तट पर आया और स्थानीय समय के मुताबिक दोपहर 2-43 बजे महसूस किया गया। भूकंप की गहराई 33 किमी थी।

संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, यह भूकंप बहुत शक्तिशाली था और इसकी तीव्रता 7.0 तक पहुंची। रिक्टर पैमाने पर 6 से 6.9 तक की तीव्रता का मतलब होता है कि इससे इमारतों की नींव में दरारें पड़ सकती हैं और संरचनाओं को नुकसान हो सकता है।

जियोनेट की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटों में न्यूजीलैंड के विभिन्न इलाकों में कुल 8 भूकंप आए हैं, जिनमें से सबसे पहला भूकंप नेपियर में सुबह आया, जिसकी तीव्रता 2.7 थी, और इसे बेहद कमजोर भूकंप के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

न्यूजीलैंड के लोग अब भी भूकंप के बाद किसी बड़े नुकसान से बचने के लिए सतर्क हैं, जबकि राहत और बचाव कार्यों के लिए अधिकारियों ने सक्रिय कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

भारतीय छात्रों के लिए अमेरिका के दरवाजे हो रहे बंद? एफ-1 वीजा अस्वीकृति दर में भारी बढ़ोतरी

इंटरनेशलन डेस्क. हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में पढ़ाई के लिए मिलने वाले एफ-1 वीजा की अस्वीकृति दर पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक हो गई है। वित्त वर्ष 2023-24 में 2.79 लाख एफ-1 वीजा अस्वीकृत कर दिए गए, जो कुल आवेदनों का बड़ा हिस्सा है। इसके अलावा, कुल 6.79 लाख आवेदनों में 4.01 लाख वीजा ही जारी किए गए, जो पिछले वर्ष के 4.45 लाख से कम है। 2014-15 में एफ-1 वीजा के लिए कुल 8.56 लाख आवेदन हुए थे, लेकिन उसके बाद इनकी संख्या में लगातार गिरावट देखी गई। 2019-20 में कोविड महामारी के कारण यह संख्या घटकर मात्र 1.62 लाख रह गई थी। हालांकि कोविड के बाद इसमें बढ़ोतरी हुई, लेकिन 2023-24 में वीजा आवेदनों में 3% की गिरावट दर्ज की गई।

भारत से अमेरिका में पढ़ाई के लिए जाने वाले छात्रों की संख्या सबसे अधिक है, लेकिन वीजा अस्वीकृतियों की बढ़ती दर ने भारतीय छात्रों को प्रभावित किया है। 2023 में जनवरी से सितंबर तक भारतीय छात्रों को 1.03 लाख एफ-1 वीजा मिले थे, जबकि 2024 में यह संख्या घटकर 64,008 रह गई।

अमेरिकी विदेश विभाग का बयान

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने इस बारे में कहा कि सभी वीजा निर्णय आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम के तहत केस-दर-केस आधार पर किए जाते हैं। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि एफ-1 वीजा की देश-वार अस्वीकृति दर का डेटा सार्वजनिक नहीं किया जाता।

अन्य देशों की सख्त नीतियां भी बनी कारण

एफ-1 वीजा अस्वीकृतियों में वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब कनाडा और अन्य देश भी अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या को सीमित कर रहे हैं। कनाडा ने 2024 में अध्ययन परमिट की संख्या में 35त्न की कटौती की घोषणा की थी, जिसे 2025 में और 10% घटाने की योजना है।

भारतीय छात्र बने अमेरिका में सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय समूह

ओपन डोर्स 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 में भारतीय छात्रों की संख्या ने चीनी छात्रों को पीछे छोड़ दिया है। अब अमेरिका में पढ़ने वाले कुल अंतरराष्ट्रीय छात्रों का 29.4% भारतीय हैं। इस वर्ष अमेरिका में कुल 3.31 लाख भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

अमेरिकी सरकार ने हाल ही में वीजा डेटा गणना की पद्धति में बदलाव किया है, जिससे वीजा जारी करने और अस्वीकृत करने की संख्या में मामूली बदलाव आ सकता है। हालांकि, भारतीय छात्रों के लिए यह चिंता का विषय है कि लगातार बढ़ती अस्वीकृति दर के चलते अमेरिका में पढ़ाई के अवसर मुश्किल होते जा रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569